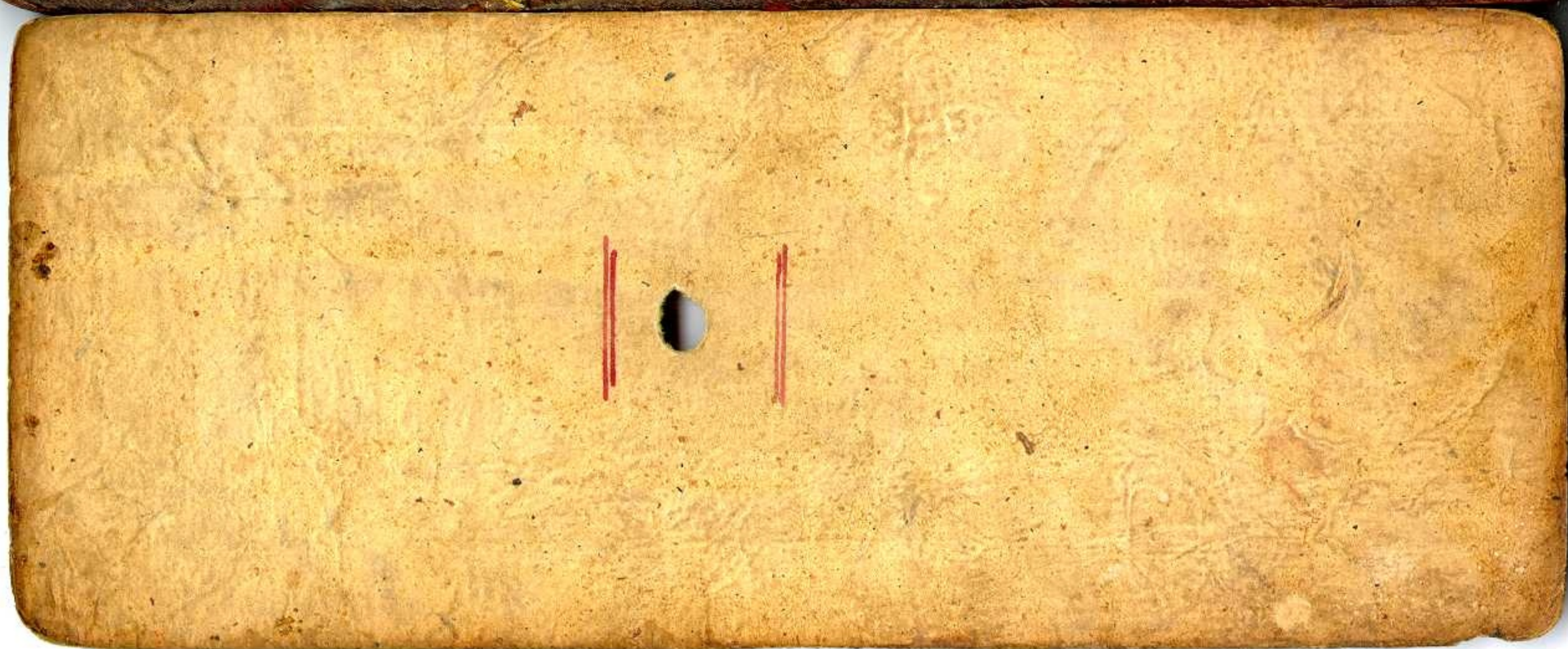






P. 1011. 11. 11. 11.
438
ADNA 100-1111



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

२ विष्णुसामान् ॥ २

सन्तु माय ॥ १ ॥ नमस्कार ॥ उँ नमश्चि वक्रसर्वनाय ॥ जाव ॥ धर्मधाम्जिन हृदया नन्द
कालिका ॥ कामाग ॥ जगदात्मकलावन ॥ जाव ॥ कमलासनसुखमिवर्धनाकरकी
मली ॥ कामाग ॥ सहजानन्दका
दमा ॥ कामाग ॥ नरुटमैरु क
काल ॥ ईशालमाथ ॥ विश्वस
वा ॥ ॐ ॥ नमामि श्यागीश्वरमय नमूनि हृदया श्विना सयी कूटागत्रसयवजिन
हृदया ॥ ॥ पीकनीमवृष्टिकवयनं श्वरजिनवममकूटमनिदयन ॥ ॥

२॥ (५) ॥ १॥

धर्मवक्तु मजा कलिग मा ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

२

२॥ (५) ॥ १॥

नया प्रिय सफु अष्टादल वृ विद्या २ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

२॥ १॥ १॥ १॥

वसुदलसममदवमधर्मवकुषाठहादलसमगवकं२हाकिं१गदलकमलमदास
खवकुहंकाभनूपगीदमूकनाथ॥ ॥ ददयिजिनविद्यादिविद्यानरुदनिशुवमूक
धमयानादयूपी२पीथादिदहा
नीविमन्थनी॥ ॥ दर्पवपुति
ऊदवी२ऊमऊममानुहुंशया
माग॥ **गी॥ धनरुमवि॥** गाकूदहनपंवसुतस्वमूप२पीथामियमसपंवसात्रियुजिया
॥ **क॥** ॥ उक्तदवीवल्लिमायात्रिउवनवीमा२वीममनायकसमयानद॥ ॥ वीम

३

२॥ १॥ १॥ १॥

वीमन्थमसदजानंद२कर्नेकमलासनहुदयानंद॥ ॥ पंववृद्धपंववृद्धसमूय२
दवाअमूनननपुमदिकहुदया॥ ॥ उंआ११हंकीखेंस्वधनकर्नि२उममूयपू॥
निविममानंद॥ ४ ॥ १॥ माग॥
नी२विद्यमानइष्टदर्पविना
सिद्धिदायनीऊगतऊननी॥ ॥ पूर्वदलगतनकूवर्षीनि२००॥ नयामिनीदवीनील
वर्षीहा॥ ॥ वायव्यमाहिनीदवीनीकवदुनारा२पश्चिमसंमन्त्रिनीदवी॥ गोमवर्षदहा
॥ ॥ नमस्तुसंजामिनीदवीहृत्त्रिवर्षीहा२दक्षिणवर्षीकादवीधूमवर्षीनि॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वहुहुजातकाननापेचमृदारुमत् ॥ २ ॥ स्वस्ववीजसंरुवातवजसदिर्गवजा ॥ ७ ॥ मागा ॥
 मवि ॥ ३ ॥ आठहैरुदुजनकमस्वासासकुडजावत् ॥ २ ॥ पूजापूजकपूषरावत् ॥ ४ ॥ स्वस्वमृय
 पत्रिताव ॥ ५ ॥ स्वस्वस्वादि ॥ ६ ॥ वलिपूजनवचपाटय ॥ ७ ॥ विप्रदम ॥ ८ ॥ पत्रामि
 यमसपेवसात्रिमपेवहानस
 नावाभादापिमा ॥ २ ॥ अकजाकि
 दानपति सर्वकार्यसया सर्वस्वसंपत्तिभाक्त ॥ २ ॥ यथेवत्तथेवकुजर्थपितर्थदिपु
 थमारुकुमथन ॥ ॥ समयमरुतुदानपतिमसर्वसिद्धिसंपदनाक्तिमशुआसं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सा न कथा गत वद न सर्व सिद्धि संपत्ति वृद्धि न ॥ ७ ॥ नागा ॥ **पटमं कलि** ॥ अनि न अन न
 जल जा रु सा म म न म तुल व क ना या २ व क प अ ल स म जा न स प त्रि रु त्रि म न म तुल
 व क ना या ॥ **४** ॥ उ म न न न यि **॥** या गू न य क न न आ लि ग त ह न व न न यि या
 २ व क वा ना हि आ लि ग त सै व **॥** न न न यि या ॥ **॥** उ त्ति सै वि नै वि न न न
 सै ज हि ऊ हि क हि क हि मू र्ख म **॥** ना न २ अ नु ह क सर्व द व व ज षा उ म द वी
 मि न नी रु य न सै सा वा ॥ **॥** उ त्ति व न उ म्भ त क ना या रु ना अ उ त्ति व न उ म्भ त क वी न
 वी ना २ उ त्ति वी उ व न न व ना ट न सै प सा दि न रु लि (ग न उ उ का का ना ॥ **॥** अ हि नि सै

अनुसूत॥

सकगुन वा महुमाया सुदिन रावा लाय २० नो मजत रुय वधुन सुदिन मरुय मा नू अति स
सै ला व ॥ १ ॥ नाग ॥ ललित ॥ अनुरु न त थ ता वं का न सै ला व न त नू प वि गी त वि वि कु क
ल ही २ ३ आ ४ हू का न व जा मू क
मू त न स वा धि रु ल दा य क स र्व
धि र्ग द नू क नू ला रु व सै सा न ना
धा नू ज सै य कू मी ख सै ला धि र्ग पं य पी य पं २ हू का न म कू पू थ गु गा व हू व ज सै स्त पि त
वि ण क क ल ही ॥ ॥ घट म हू क म स म हू नू य ला व आ कू हू मी दा कि नी ऊ ल नू यं २ म

नकवर्ग ॥ २ ॥ नमः ॥

टि ति सा धा नू द व ता य कू हा न स स मा नी य हू धी ज कि न ती ॥ ॥ पा या दि आ व म नू दा न पू थ स
न ती री स म यो व कू प व नि त वि मू द क ल ही २ म हा ना ही दु वी रू य वा धि वि रु नू यं स म य स
ख हा न स ल उ कि रु त ॥ ८ ॥
हा द नू गु ज पु ह न ती कि न ती ॥
ग त पु मा दि न म य न सू ना ती ॥
गु नू उ प द ती ॥ ॥ प थ रू व हू स नू प य उ कू २ स या न यो गि नी मा ज्य हू नू व उ हू नू व ॥
स क गु नू व न ती नि री ग त ध वि या २ रु न यि वा कू व ज सू ना सू नू यी ॥ २ ॥ नाग ॥ नू वी ॥

ॐ नमः ॥ १०

नमः हं अकार नृपधनं स्रष्टु विमल उगधन ॥ ५ ॥ न नाहै शतनाम न हं हं ॥ ॥ वंदे जालि
गलयागधनं श्रवणं धनं मुद्राधनं ॥ ॥ धनं स्रष्टु न द ह धनं श्रवणं द स्रष्टु साहियं उदम
न ॥ ॥ माया द ह मी त ऊं गु २
मालि ॥ ॥ शिव कु म विग मि मः
मादी जालि गल स्रव नाना नः
नील वधू च कु व कु प्रति मुख विमला य न मा नै द स्रष्टु मि ध ना श वि श्रवण अर्द्ध वंद उ द म व
ट धात्री दा उ आ रु म त स्रष्टु मालि ना ॥ ॥ वज्र धनं गज चर्म उ म नृ ख द्वा ग विम मा नै द स्र

ॐ नमः ॥ ११

नृति ध ना श क म टि क पाल य न गुण गति गूल व द्वा नि र्ब ध ना या पु र्म क ति य सि ना ॥ ॥
दि गं वि दि गं का का ग्ना दि य म ज कि नी द वी स्रष्टु ज नै द स्रष्टु मि ध ना श न ग मि श गी व क स म
मा स्रष्टु गु नृ व ल आ मा धि ना ॥ ॥ ११ ॥ ना ग ॥ ल लि ना ॥ ॥ य व म द्वा पा रु स म या
का मी कु व था नै श द म दि ग द श व
वी न वी न श्र व व यि था न स गु लः
दान प ति न वि घ्न नि वा न य ॥ ॥ स दि गी र्म व न मा म्प का ल व क ह व क का य वि रु लि या श या
ग या गि नी म गी य वि व क न स म या नै द रु म कि दा ॥ ॥ सि द ना द वा डि या ल उ म नृ पु ना द

अष्टागिनीदानपुस्तकं ॥ १२ ॥ ॥ माग
 गन्धाननेनवी ॥ तिलिमायतीकडुवक्रविहारा २ कनकपुतिवामधुलक्षम ॥ ५ ॥ क्षमक्षम
 कनयिवाहूहू नदिवडमात्रा २ ॥ मागद्वषमादवधिनकुदि ॥ ॥ पक्षपक्ष
 पायनसवजा २ नदिवधिविवापयि ॥ मागद्वषमादवधिनकुदि ॥ ॥ पक्षपक्ष
 नदयिवाहू २ कनयिवाहू २ ॥ मागद्वषमादवधिनकुदि ॥ ॥ पक्षपक्ष
 सम २ वक्रपवनयसंवाधा ॥ १२ ॥ माग ॥ प्रथम ॥ हलिनवजा नल नदिवधिविवापयि
 वयि ॥ ५ ॥

पत्रमानंद, मन्त्रुतिनूषधमी, आधधिययीमश्चवजा २ उँ ४ ४ २ ॥ ॥ कलिलकमलम
जा (ग) सहजा नद पवननरंगसूमीलगति २ उयमुखषट्कुंड, मलमकूटधमी, कषू
निमाननदहिनवाम ॥ ॥ ॥ इमलुलापत्रिवडापर्येकादकमागूलननूपक
लिना २ वडाखकुमन, दहिनः ॥ वनधमी, वामपक्षायलवापधमा ॥ ॥ वि
विउमलाहमलविरुषित, रु ॥ लयिभूनकमन्त्रुतिधमा २ सुतगुनूवनलकम
लपलादा, नमामिपत्रमनिमापद ॥ १४ ॥ भाग ॥ कादि ॥ काना ०० नथिया वाना, मूमून
कनकका २ घनकचिथिदायिवजायिकनूलक्रियायिनलाला ॥ ॥ मत्रयडैकद

सर्वप्रथम ॥ १५

मूकजायिभ्रंतिंतिमाहाहिनवजाः॥ ॥ तहिंरुमूखाऊयिगाधमयिनायिभ्रमयिभ्रं॥
मानकालिजनपतयाः॥ नईदूवज नयाः॥ ॥ कडसनकमुनिसिज्ञाकयूमः॥
लावनयाः॥ १२ मूलयऊयिंध्रं ॥ नसात्रिंऊम तहिंरुमूखाऊनयाः॥
पुखनकुकुकेमंयुगुकायुद ॥ नमूनः॥ १३ नीमसुहजैगयजयी तहिंऊस
मापनयाः॥ १४ ॥ ॥ नागा ॥ यमउमिकः॥ सववृद्धविवृद्धमपुनवि
मानवृट्टनी १२ वडायापिनिवृद्धमपुनकाजधमतिहिमावता॥ १५ ॥ नमामितावृली
सिद्धिगिनीयागिमिगनमपुना १२ अष्टअद्विसिद्धिमहुसिद्धियागिनीगतमपुना॥ ॥

रतिउवनो ॥ १६ नागा ॥ १७

आदित्यमगुलकजमंययिभ्रमसूविभ्रना १२ वकिरुगुलकगुनूयकमखलविहपिता
॥ कनटिषपत्रसमानसूदनिमदटकसदिगीवना १२ मूलुमालपटकमपुनाला
जिज्ञाहयैकगो॥ ॥ १३ ॥ ॥ उमदय
वमलमिमैधानीअवधूवकरी ॥ १४ ॥ ॥ नागा ॥ गधमरं
॥ १५ ॥ ॥ नागा ॥ ॥ नाययिवदस
॥ लजिसुहमुकिमदहासूर्यसदसुवहिं ॥ १६ ॥ ॥ नागा ॥ अहडि ॥ हाउमरुनलजियायी
विविहूयविसममार्थसलवहिं ॥ १७ ॥ ॥ नागा ॥ अहडि ॥ हाउमरुनलजियायी

[illegible]

याडिश्कमलकूलिगधपुकमइतजिवयो॥ ५ ॥ यागिनीकुम्भविनूखनइतजीवयी२
 तनामूहवृत्रियात्रकमलसंथीवयो॥ ६ ॥ रूपइयागिनीमपनजा०२मतिदूलवहि
 यात्रडाडिथानसमायी॥ ७ ॥ सासूरुयनधानवृत्रियात्रान२वृडसूर्यइ
 यीपकमहनाडा॥ ८ ॥ यीगुजात्रिहमदूइमूवीमा२नत्रयमात्रीमा
 म्पडरुयडविगा॥ ९ ॥ १२ ॥ १३ ॥ गी॥ १४ ॥ १५ ॥ विविदेविहनुममानमठिगमिउदन
 १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

उदितं ॥ २ ॥ उदितं पद्म ॥ २ ॥

सममर्गमात्रं ॥ ॥ गच्छदहनविद्वैर्मासैरुक्तं कश्चिन्नतमूलाभायः ॥ नापविषयकः ॥
 द्वादशसुखं श्रीवामीकडवदनश्चित्रमेतद्वगगतं हस्तुश्रुतिता ॥ २० ॥ ॥ मागा ॥ **विताम**
 उदितं गललेयापवनईताश्चर्मसुखदामककाशमता ॥ **कु** ॥ यालइहं गुरुवतिर्मेक
 नाश्च सुखयनिर्जनमाकुरुः ॥ ॥ दिनकममपुलमध्वगताश्च कुरुता ॥ २०
 मृतमससवहता ॥ ॥ दध्वा ॥ अत्रिरुययुक्तिनिर्देताश्च दवासूत्रनमृतिर्भैः
 नमिता ॥ ॥ गवद्विषयनविगुमृत्कामाश्च वज्रवामादीर्हस्तुश्रुतिर्भैः नमिता ॥ २१ ॥ मा
 गा ॥ **नध्वमहेमवि** ॥ उदितं यद्यगुक्तमपुलमहासुखकमश्च दवीदजविनामिनीतत्त्वह

उदितं पद्म ॥ २ ॥

नवर्क ॥ **कु** ॥ पीवयित्रमदानसुगच्छदहनश्चर्ममाकमार्गसुखउद्वेगतार्थ ॥ ॥
 वज्रवामादीर्हस्तुश्रुतिर्भैः नमिता ॥ ॥ पूजापूयगुक्तानिषकम
 नुरुनक्रियाश्च सत्वनमवित्तकत्त्वक्रियासमृद्धय ॥ ॥ गुणपुनोदतदुर्गकित्तमर्नश्च
 रुतयिकूलदरुजाचार्यतवः ॥ ॥ २२ ॥ मागा ॥ **पयम** ॥ ऊर्ध्ववाहूलीद
 नूतयमयीश्च सयमसूनासूत्र ॥ ॥ जगतउद्वेगता ॥ **कु** ॥ कुरुगवतिपादक
 मलमहीमपुलनोपममूलमूर्तकामाश्च हाउमआहमलविह्वित्तमस्वमयपुडला
 लाक्षितिलितिलितिनयनवितिनयना ॥ ॥ कनदिप्रपन्नशीवमूदनमजिलमालाश्च

२३
२३

कृषिखट्वोगदममदृष्टकम ॥ ॥ निलसर्पिधर्माकर्तृलसुलाशककुलीकपूनाचल
सुखसाभा ॥ ॥ नयिसूननवजवाहृलीदासाश्रीवज्रदवीषमदगीदमृकपाया
॥ २३ ॥ नागा **खडगिनि** ॥ खडि
दनममिलमालाशमिलवकि
धूमिमाया ॥ ॥ पुरुसगीहमवदमानूकामायाइगनाथगीसंदममाया ॥ ॥ वज्र
कनाटकदाथधनीयाकपूजियाउखट्ठागशस्यकयागिनीकमलविलासिरुमम
सामुखमनिपसाद ॥ ॥ वज्रनादीआलिगतसैवमनाचयिवरुविरुलरुगशवा

२४
२४

बुलिकाललेपियाकिदेतिहृदयवअर्द्धयुवनरुलनपसाद ॥ ॥ सदऊसंवृत्तिल
यिमागवकिकर्तृपालगीहमववनतपसाद ॥ २ पुस्तमालिगतजिदकिहृदयववि
नालयिमृयकमृत्ता ॥ २४ ॥ नागा **खट्वकात्रकासाद** ॥ मृवनिनिहिरवामजानूख
जकिनलोमानेसंजासा ॥ २ ना
वविना ॥ ॥ नमामिगीवर
ननाथविन्यापिनविनविजममदाकाधनाया ॥ ॥ अतिहिवतागाडर्द्धपुव
उडखकगायवियुक्तिकिनता ॥ २ पीठिनमृधनाककलनयनावेनिसेजासागावः

अथ निनिहित जाय ॥ २५

इत्येतत् ॥ ॥ माधवमाया पूर्वद न बुद्धा मोड पिम वा पाद रुमुत्त २ सम न स माया नाग वि
माहा ह्य न माया सम हिरु द दा ॥ ॥ न ता रु म ता उ क लि क मो जी क य न नू य न मू र्ते मू र्ते
का ना २ स न न न ना ग वै दि क व
का मा द ॥ अथ निनिहित जा नू
द ना ॥ **कु** ॥ न ना हूं हूं न ना हूं हूं
न यु कि सा हि त म र्ग २ पा म र व म्म धा नी ति उ व त ना थ ॥ ॥ ह नि ह न व क्क ० उ व उ मा
ना २ मा र वि प्र यु ति रु रु ह य द न ता ॥ ॥ वि वि वि न त्र य न मो गी ल क र द दा २ उ ग र

२५ का न र्से जा न ॥ २५ अथ निनिहित जाय ॥ २५

विर्वा च्छि त व ल रु ल दाय क ॥ २७ ॥ ना ग ॥ **हं उ न ॥** हं का न र्से जा न ० उ नी ल स म यु कि द
सा २ पा हा ला क ल न स म यु ति का ली क ला न स मा क ला ॥ **कु** ॥ ज र्ग उ म्म व ल म्म न ग म्म नू ति
ख म्म पा न क न धा नी २ उ ग र ना थ उ ग र पा लि म हा का व ना या ॥ ॥ अथ निनिहित वा
म जा नू पा ल व द न ति ला व ना
ह ना ॥ ॥ ह नि ह न म य व र
न स य कि न त वि प्र रु क ॥ ॥ वि वि वि न त्र आ र व त वि रु पि क दि व्य न त्र म्म मो ली २ उ
न र्वा च्छि त स र्व स प रि सि धि व ल रु ल दाय क ॥ २९ ॥ ना ग ॥ **व स क ॥** अथ निनिहित

१॥ ॐ ॥ नावयिल्ली अखल विना २ ॥ विविधित्तमक नवि उचिना ॥ १४

सुमदं हं यति द ह पुन श्वर्ग शं क ना उ जानं द विना स यि जू व ता ॥ ॥ याम उ ह व दि वं स
डा दर्त ना २ पुन कर्त्तु ग त ज ह य म हा सूर्य ॥ ॥ विना ग वं ड यति रु व रु यं क ना श क स्यः
नि रु क र व ड क र्त्तु नि पा ना ॥ ॥ ॥ मान व रु म द र्प नि खिल वि प्र रु का श न वि न
॥ २६ ॥ ना ग ॥ **कामा उ** ॥ पुन लि न हं का ना रु
व म नू ति ॥ ॐ नू नी ल स म दं हा २ वि न्ना क र्त्तु सी सि तु ग मू ति क न ती न त्त म कू ट का भ धि र्पा ॥ ३
ना मि त्री पु व पु वी नं रु व सी ध न न ती २ वि न्ना थ कि रु व न व्या पि व दा मि र्ध स न क न ती ॥ ॥
अ न रु जा नू ति ग ति रु व न वी नं स य रु पू र्व कू ष न ती २ वा म क र्त्तु नि रु दि पा ना ध र्मं रु

२७ विना क ना ॥ २८

१३

दा ३

वा त्रि वं ध न क न ती ॥ ॥ ना ना न त्त हा न नो य न क ति म ख ल रु वि क द दं २ उ ह क ना न
ही ष म व द नं कि रु व न ना मा पु व पु वी नं ॥ ॥ वि ना धि प स र्व रु य रु न ती पु न वि ना वा
दि न्ना क म न न सी २ सु न न य ना दि पा द रु न ती स र्व सि धि मा रु रु ल दं ॥ २८ ॥ ना ग
क न दि ॥ कि रु व न क लि रु मू
क क ना र्त्तु ॥ ॐ ॥ या मि त्री कि र्त्तु
स पि व यि न ॥ ॥ स र्व हा न ख ड्मा त्रि या व रु मा न ति २ वा म क र्त्तु नी पा ना रु वा त्रि वं ध
नं ॥ ॥ न त्ता रु न त रु वि क क य नू पु ना न २ सु न न व र्द दि रु कि रु व न वी नं ॥ ॥

२७ विना क ना ॥ २८

अथर्ववेद २० सर्ग ३०

महिनिमिस्मयः जीवतुमहान् शरुवलयना कमाशुलदं ॥ ३० ॥ नागा ॥ **हं वी** ॥ जयं
जयं वाचुली सयनसुतास्मि ॥ अखय २४ खं सैदा नली ॥ **५** ॥ मूली मूली मूली २४ हं हं कान्ता
ययिमा ननिनवा नूव ॥ ॥ डिम पनया निददाय नल २ जिनजन निमूय वज
यागिनी ॥ ॥ जयं जयं दाउआ हं मली गुला हा २ कनटिका पा नख हं गंधा मी ॥
जयं जयं मोदु ममान थि न २ गी व नू न निल मात्ता ॥ ॥ जयं जयं नाख हं जगत सैमा
न २ गुल मा मि अहय वाचुली ॥ ३१ ॥ २ नागा ॥ **नाट** ॥ सकल जगत सैमान नूपा हं २ सर्व नूपा
धन हं हं क हं हं ॥ **५** ॥ दवी मि तुवन १ क अखल २ जगत वृद्ध मय सर्व सिदं नूपा हं ॥

१४

अथर्ववेद २० सर्ग ३१

अहं वृद्धि न हं सिद्धि सुव न जं गमा हं २ अहं मु अहं पू नूय न पू स का हं ॥ ॥ दवा सुगा हं
अन्य जन का हं २ अहं ज न्म अहं मूय वि प्र सिद्धि न हं ॥ ३२ ॥ २ नागा ॥ **ना म क मि** ॥ हं हं
हं द हं ध नू सै सा न नू २ हं दा आलि गत या ग ध न ॥ **५** ॥ हं व ज तु न्न न ना हं
२ न ना न न हं हं ॥ ॥ सु न न न वं दि न व न न व नू २ क सु स विल प न द हं
नू ॥ ॥ ला व वि म क ट वि ल प गु ल वं ता न् २ न मा हं २ जी हं व ज तु न्न गु ल पुरे व यि ॥ ३३ ॥
नागा ॥ **नृ ग ल व न मि** ॥ द्वि तु ज १ क मूख न कू व २ स कू ट कं स दि गै व ना ॥ **५** ॥ न ना हं
हं २ न ना न न हं हं हं ॥ ॥ अ क क ना ट क द हि न क न मि २ आ उ म्मा रु न ना सु (अ हि ना ॥)

जीन जो २

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सूर्यमण्डलमाप्तादवमूर्तिश्च श्रीशिवजमदितस्तुताहिता॥ ॥ सकुमुवत्रतमिर्मग
रुध्रियाश्चकवाभादीर्गुहमिर्मगकध्रिया॥ २४॥ नागा॥ हेत्रवि॥ गजाजिनडर्चकाथ
ध्रियाकमलकलिर्गुहवामश्चमनूकनक्तिरूथमजिर्गुलावामखर्चोराकवाभा॥
शीसम्वत्रवायावाहूलीरुक्मर्जीगुनीताश्मानयिर्नवापयियात्रसासूरुवैरु
मूडासिद्धिना॥ ॥ पाडावक्त्रम्गुवामदाथधमीयाडभनत्रक्षिलमालाश्नी
लह्रिगलाहिरकनकाहवचउमखमूर्तिविकवा॥ ॥ अलिष्टपुयार्हवववापयि
यात्रकालीमार्तिर्धिरमूवाश्चिगकलिर्गुहवर्चडजटायकवाघवर्मषठमूडा॥ ॥

अथ गणपतः ॥ ३५ ॥

शुभिसंविनवीनधननयकमिनिवकुमदाविनवीना २ कनूतर्गमात्रविनविनधनकुज
 यिसयात्रमसात्र ॥ २५ ॥ नोग ॥ **हेत्रवि** ॥ अरु रुतपात्रदिगीविदीगीरुवनधमिलः
 मामवकुमवदभ २ गगदसपनगगदमूर्नमूर्नकागागगवकुममूवजयगृवाजिया
 न ॥ **कु** ॥ **हूँ** हूँ नमामि पञ्च
 इगता ॥ ॥ पूर्वउरुमवक्ति
 २ अकिनीपिनी, वडसिकवाऊनी, धानवता नमैजावदनी ॥ ॥ **सिंपिनी** **पिनी** **पिनी** **पिनी**
 यूकउरूकिनी, खदोगर्जकहाहृक्ता २ वजडाकिनी धालवता न अकिनवकुमदवी ॥ ॥

विषयः ॥ ३३

जिनजनिदवीजकिनीर्देहपायममत्तपयं समुद्रात्ततविह्विताश्च द्रुतकवज्जय
पुत्रद्वौ (ग) पाठपत्रमन्ववीहानदवी ॥ २५ ॥ नाग ॥ ललित ॥ विषयविषयविनू यवनम
पाग्य कलियवेडात्रिनाहिकम ल२ ददयिजिनविम्वुमि मत्रयिस्मृगजि
मतिनिआलममयस्यामद्य नै ॥ ५ ॥ नममस्सुपाषेकालवर्क दवजसं ॥ १४
वमविश्वमूर्पेशपयिपडमसंयास्यरवतीनासहजआनंदमयहानमूर्प ॥ ॥ वडाप
यकासनर्कदूमवर्तननमसंमितिजुकाद्यध्वानैश्चगगनइश्चताजनैवाधिरुलदा
यर्क जागधममो नूलावदीय ॥ ॥ गुमवाकट्टरध्रियाअधयवनर्कवियमतिमदूट

अपठनः ॥ ३४

वंदउलाधमीयाश्चउवकुपाठसन्निपत्रमन्वत्र सूर्यरुममान्वाभाह कुवर्न ॥ ॥
स्वप्रमायासहजलावयत्रिणावनावूहधर्मसंयगनतगमियाश्चुनवत्रततिमध्रियगाव
निसूनकवडा जमजममान् वूहानदी ॥ २७ ॥ नाग ॥ ललित ॥ अत्रयधनपीमैश्च
माभाश्चदीधनकिनलसंवादी नदहा ॥ ५ ॥ दवपीमस्सुपाषेन रुवनयापि
ताश्चपूखरुवमदहिनकन धात्री ॥ ॥ वामयूसूकधनसूत्रगुनूनायाश्च
प्रपजासनकासनकासदहा ॥ ॥ दहिनवामकनधनूननधमिश्चकुनमात्रदयवातप
हाभा ॥ ॥ जगहनपात्रनाथपुमादितरुदयाश्चरिमरुसुखव नरुलपुदाता ॥ २८

१७

[illegible]

कमलविकसिता ॥ ५१

खिलमयनागर्भ ॥ ४१ ॥ जाग ॥ निवद ॥ कमलविकसित, चिह्नित, स्रज, सुदृढ, प्रिय, वरुण, सुद
हो, श्वेत, सुगन्ध, दन, कृत्स्न, लय, दल, पद्म, नृत्य, चमक, कामिता ॥ ५१ ॥ नमो मिश्रम, श्री, सुकेतु, गु
ल, माय, सूर्य, गुण, शक, मति, दह
पथ, मकर, दय, वज्र, यन्त्र, धन, म
य, हान, रत्न, धन, वज्र, यन्त्र, सत्य
सा, पथ, वज्र, यन्त्र, मधु, कपूर, काश, मत्त, मकर, ग्री, पुष्प, लित, किं, विय, घट, मध्य, सूर्य, विं, वना ॥
निवृद्धि, वृद्धि, क्षमि, प्रमि, उरु, मित्र, सर्व, हृदय, विं, वना ॥ ५२ ॥ नमो मिश्रम, श्री, सुकेतु, गु

१८

नमो मिश्रम वज्र ॥ ५२

जन्मन ॥ ४२ ॥ जाग ॥ रुद्रवि ॥ नमो मिश्रम, श्री, सुकेतु, गुल, माय, सूर्य, गुण, शक, मति, दह
क, गुण, वज्र, यन्त्र, मधु, कपूर, काश, मत्त, मकर, ग्री, पुष्प, लित, किं, विय, घट, मध्य, सूर्य, विं, वना ॥
नृति, हान, प्रभान, सुहिता ॥ ५२ ॥ नमो मिश्रम, श्री, सुकेतु, गुल, माय, सूर्य, गुण, शक, मति, दह
क, दय, वज्र, यन्त्र, मधु, कपूर, काश, मत्त, मकर, ग्री, पुष्प, लित, किं, विय, घट, मध्य, सूर्य, विं, वना ॥
मात ॥ ५३ ॥ नमो मिश्रम, श्री, सुकेतु, गुल, माय, सूर्य, गुण, शक, मति, दह
म, कुं, विधि, कुम, मधु, कपूर, काश, मत्त, मकर, ग्री, पुष्प, लित, किं, विय, घट, मध्य, सूर्य, विं, वना ॥
न, चम, सर्व, मा, कर्ष, कान, म, क, हान, मार्ग, सदा, पा, कुं, ठे, ला, के, क, उ, ग, न, मा ॥ ५४ ॥ नमो मिश्रम, श्री, सुकेतु, गु
वी, वज्र, सत्त्व, जन्म, जन्म, कुं, ठे, ला, के, क, उ, ग, न, मा ॥ ५५ ॥ नमो मिश्रम, श्री, सुकेतु, गुल, माय, सूर्य, गुण, शक, मति, दह

सकलवृत्तन॥ ५५

॥ नाग॥ **नाट** ॥ सकलवृत्तनगुणवजसत्सुपंशसर्वालेकार्जुनमनुलसमरुर्व॥ ५॥ दवी
गीनूपदनीसाहकलासुखाहं २ अन्ननवादिनातार्थवीजसुखनै॥ ॥ अदाविस्मयाधर्म
दाविस्मयावागी २ अदाविस्म
रुडार्थ अदासूत्रकसंकेत २
अदानाद्यं समायुक्त अदागी
समावर्त॥ ४४ ॥ नाग॥ **वसक** ॥ मधुनियुतिपूनाइ ०० निरुनाला २ सकलदवदत्तव
टिरुवाट॥ ५॥ मेगीआदिवृद्धगीमश्रुक्मा २ लं अविवधामिपद्यनृयवना॥ ॥

१२

सकलवृत्तन॥ ५५

कंदमनूयिनासूत्रवित्रविषमा २ नृन्यागंहीनकनूतविदागा ॥ विषयविषमाकूगूपा
नंगमनसु २ विषयविषाविरुनिर्वगुनूस्वयंरु॥ ॥ सकलगुनूपनमाविंदआनाध २
गावकिरुवगीरुपर्ववदलि
नामगुलकाटिकाथेनामाद
सुविरुकरुदवा॥ ५॥ ॥ उंकात्रमगुललाहृत्रितंनयागिनीवृदयात्र २ वृद्धासुग
त्रिकपुआलिगतवाहसकलमाज्या॥ ॥ पूर्ववदुविहीयात्रदकितनत्रविहृत्रि
यात्र २ पश्चिमपद्यपुकासूत्र उरुमखरुध्रियान॥ ॥ संपूटयागरुमाठात्रिजिय

नमामि शक्ति नये ॥ ५३

॥ कर्मणि यमश्च कायका कश्चिन्मनुललाहृन्निभमगमनकूटडियान ॥ ॥ नृपसूत्रपुर्ग
धस्यर्ममसुमिमिलियाधर्मधुहायिश्कर्णममलुनचमीयागभवयवाहनपूजनहा
यि ॥ ४७ ॥ माग ॥ **नार** ॥ नमामि शक्ति नये ॥ धर्मधुहायिश्कर्णममलुनचमीयागभवयवाहनपूजनहा
वागीश्वर ॥ **५** ॥ नमामि शक्ति नये ॥ धर्मधुहायिश्कर्णममलुनचमीयागभवयवाहनपूजनहा
रवमाया ॥ ॥ स्वर्गसम्पदाकाः ॥ धर्मधुहायिश्कर्णममलुनचमीयागभवयवाहनपूजनहा
निधमा ॥ ॥ धर्मधुहायिश्कर्णममलुनचमीयागभवयवाहनपूजनहा ॥ ॥ धर्मधुहायिश्कर्णममलुनचमीयागभवयवाहनपूजनहा
पुरुषकधनधमाश्च दहिनरुपुखकनधमा ॥ ॥ श्रीलाकन्यनमलुनमहासूखमाया

२०

५४ नमस्तुते ॥ २ वासवपय ॥ ५८

॥ राजाधिमाऊधीनमंडमन्त्रदव ॥ ॥ श्रीवजाचार्यवैधुदरुमाचार्यश्चरनयिकाकवडहिः
लावनिमा ॥ ४९ ॥ माग ॥ **गुञ्जलि** ॥ उममरुमलनीलितकनूखलाश्चुनीलयेतिपिंग
लकमा ॥ **५** ॥ जगदनुर्कपेक्षिपागुलदवीश्चइष्टमात्रविष्प्रविनातिदवी ॥ ॥ नकन
यनाहिसिन्नुडमालाश्चरुक्कन
पश्चर्वलगादलनवाकाका ॥ ॥ धर्मधुहायिश्कर्णममलुनचमीयागभवयवाहनपूजनहा
वज्रवनीकगीता ॥ ४८ ॥ माग ॥ **ग्वडगिनि** ॥ वामपपमधनदहिनकनटिश्पायनच
नरुतउममूनुमागा ॥ **५** ॥ दवीनाचयिजकडदीवज्यागिनीश्चिनीनकुदवीहिउव

॥ ५२ ॥

मयमिसं॥ ॥कान्तमृत्युदयिपाकान्तवंधिया नरनागद्वयमाह कनटिनदुदीता॥ ॥
कुलसुखदवीनिर्गजनेदधुशून्यपाकदवीनून्युत्सवमं॥ ॥नृसिंहनामनामा
कनूतदवीशमाकमार्गदवीतिउवनऊननी॥ ५८ ॥जाग॥**विनाम**॥द्विहुऊनकम
खनकवदनशनग्रमकूटः कलीतिलावनी॥ ५९ ॥नमादवीवृद्धयकि
नीविग्वऊननीशखिउवनवा पिनीजिनहनदायनी॥ ॥दहितकनव
ऊविनातिरुदधुकिश्वामकनाटकवहुमानकविवयी॥ ॥रुनतिमकुलमा
म्यडादियागमनशनत्वपूत्रवसरपुत्रजिना॥ ॥वीविद्याधनीदवीसूजननमहि

२१

॥ ५३ ॥

ताशनकलअद्विसिद्धिदहिममाता॥ ५० ॥जाग॥**कनदि**॥नकवर्णददद्विहुऊन
काग्याशनग्रमकूटकनातिलावना॥ ५१ ॥नमादवीविद्याधनी,तिदनामयवापिनाश
अद्विसिद्धिदायनीऊगरुऊ ननी॥ ॥दहितऊाडिनीवामपाउधमी
शविद्विउपूषामालाकनया धमी॥ ॥रुनमकुलमाज्यपुहालनूपिश
तीशनानानलालंकृतपूत्रय वशिनी॥ ॥रुनयिनेत्रवऊगीताश्रीव
ऊदवीवनतमानननमं॥ ५२ ॥जाग॥**राम**॥तिदलकमलवर्णकसंसत्यनग
मधूकनरुनूवनीनाश्रीविनूपाकुरवकमुखदवीमदनपात्रयवापिना॥ ५३ ॥नमा

नमिने

छिदलपशापनि॥ ५२

मिथीनेमात्मादवी छिदुवनमाता तनुनादवी श्रीमृगहृदी १ सयमसूना सूत्रवदितवन
ल अनगअद्विसिद्धिवनपुसादा॥ ॥ नंदनवनमिववंदनकननवन अनगदसूना
लिजातवदन २ नित्योर्गभवागमतिनीम अनगतिभसूना कुरुवदलू॥ ॥ अष्ट
हेनव अष्टमिनी अनगसूना मरुतुपात्र २ अष्टमहाहय इति नित्यवा
नूती अनगविप्रतिवागती॥ ॥ विन्धविद्यापितता नूतीदवी अष्टवनिर्न
ऊनजातिमय २ अहिमरुसुखरुलदायनीदवी ऊनऊनमु अष्टपीयदीवता॥ ५२॥
२ माग॥ मन्त्रा लधनायी॥ छिदलपशापनी सर्वहृदयमिममुला २ अष्टकावतीऊसंजा

२२

वज्रिवागी॥ ५३

नहुषूर्वरूमलपति॥ ५॥ नमामिथीनेमात्मादवी छिदुवनसूत्रननपूजिता २ अष्टमहा
हय इति नंदननअद्विसिद्धिवनपुसादा॥ ॥ उकवदन छितयनिसिनेस पंचकपाल
धना २ कामखदीगकमलपाश दहिनेकवटिधना॥ ॥ पंचकमूडारुषित
अंगगीवननमृगुमाला २ लाल जिह्वमहाहीमानवनसूनाकसमूदिता॥ ॥
सकगुनवनलमिगसभा त्रिगावदिमन्त्रवज २ श्रीवज्रदवीवनलऊनऊनममागुनी
नता॥ ५२॥ माग॥ मालव॥ वज्रियात्रिओत्रीवतागीयभुमीदवी २ सिंघिनीव्यंघिनीऊ
वृकडलकिनी॥ ५॥ नमामिथीनेमात्मादवी छिदुवनसूत्रननपूजिता २ अष्टमहा

जिनवज्जुननी॥ ५५

यिस॥ ॥ पूर्वउरुनपचिमदक्षिणदिगदवीशुक्तिनीदीपिनिउसिकवाऊनी॥ ॥
उरुदिगउक्कुरुलनउदवीशुक्तिनउदवीनाउरुहनुकउक्कदवी॥ ॥ दनिहनु
वक्कुरुउरुसुनगलेशुकाउगदवीसमनसंरावो॥ ५४॥ २नाग॥ **वसक**॥ जिनवज्जु
ऊननीपुणवमगमलेशुविनाम॥ यिसमनसदंदाअलिंगत्ता॥ **५**॥ निमसुहसु २३
माननयनीगमसंपूर्णेशुगोआम॥ लिंगलअतंदनयन॥ ॥ वापयिसंरागसु
यत्रधियन२नागविनागदुयिसाम्प्रतिपत्ती॥ ॥ अवज्जुलिहसंयागविमुखनाशसु
ननमपुमुखदंदाअलिंगत्ता॥ ॥ दहदिहउवनवीयागमचन२पुलमामिहसंभ

गजमुख॥ ५५

नीअलिंगत्ता॥ ५५॥ २नाग॥ **धरात्री**॥ गजमुखजिनयनतांदवपत्रवनतृत्ताधियतिगु
लधवा२सतिमुक्कनत्ताहनुलतत्रुलिकिजलसंकासा॥ **५**॥ मानियाविपुमानियादव
मानियाइशुखविनामनैशुमात्रि॥ कामाजमानसंजातामत्रवपर्मइशुखनामिता
पत्रगुवात्ताकनवज्जुखअलि॥ पुणमदहितकना२मसुलधनूरवद्वीगेष
पत्रकनटिवाम॥ ॥ विविधवमुकंयुक्तिवनाऊदायूकमलिमपुता२लंवातल
तलधुतलंवादलसागावायलमिलिमिलिवाऊक॥ ॥ गत्तातलधुतनत्ताआलिः
ता, मुखिकमुखअतिसंदना२दितादत्तासमसुखकाता नमासु२गत्ताधियति॥ ५५॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५६ ॥

वाग ॥ **ममकनि** ॥ दिनवत्रुनयनतुवनगीकाकननिवासनिनिमयमसिना २ नपाल
मनुलमाप्यमनिरुक्किनलजगकमनुलमाप्यमसिना ॥ ५ ॥ **विष्णु** गतिगंधियात्र
प्रवतामयामदवपुतामामिदमलाकनयदवशसिद्धयागिनीवचूदरुपत्रिकर्ममाया
तुवनपुतिदूजमसिननंददव ॥ ॥ **मा** त्रिकमलनविमसिदरुवाधियात्रवा
मकमलधनयथ २ तुक्कसुम ॥ ॥ नरुनागवृष्टदात्रिदुडुठरुय २ नला ॥ ॥
हैहैहैरुगतिकायाहगवतिनमामिशीवृगमलाकनयदव २ नमामि २ गीननदुमन
दवस्वर्गमध्यातामदव ॥ ॥ **द** मरुमिद्धातिंनरुलरुतीमायाहुगकनाथमूरुयदात

२४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५७ ॥

२ वीममिताहवजिर्मंगरुध्रियाशीलाकनयननलागति ॥ ५७ ॥ वाग ॥ **मा** त्रि ॥ पर्वक
पाभाध्रितमोविपर्वहात्रपर्वमूडाहमला २ ननजिलमालागीवसाहायापुवर्मकति
रुषितममला ॥ ५ ॥ **है** है है का ॥ ॥ **म** र्मजाहवदनापर्वलंवादलनीमसमदहाका
अधिपशीमदांकाला २ पर्वामृ ॥ ॥ **न** नसदपर्वनाहायनवृक्ककपामधमा ॥ ॥ **न**
कपतामात्रितिनयनायालरु ॥ ॥ **यै** कनरीषमवदना २ उडुपुहलितार्पिगत्रक
लाउममरुहाकनलामय ॥ ॥ **क** नटिकपालाध्रिनयवदोमनागरुयनागवृडुल
हना २ नागजिलसिधानोपुननाम मूरुनागरुनलरु ॥ ॥ **दि** नवत्रमोमीध्रि

पुर्ववक्ता ॥ ५८

नमतावृद्धसाधनसामरुक्कवीना २ पुतामूरातांदवरावासास्यरुक्लिभाजतूरुजरावता।
॥ ५८ ॥ भाग ॥ **हेमवी** ॥ पूर्ववक्तायतीहं ससागूराकनकवर्णरुक्कवीना २ उरुमाह
न्यमीदृषवादा २ वंदधवमति मूलपाठधामी ॥ ५९ ॥ हेरुअरुभमननिम
वाजसहिता अरुहेमवगत पतिसहिता २ अरुमदिअनूरुजमाकपुवा २५
तासुसमनित्यपापविघ्ननाशन ॥ ॥ पश्चिमवृद्धायतीहसीवादानकवर्णवर्णवज्ररुः
रु २ दकि(लवा)माही यनयात्र मूवीअरुहसमहिषासनी ॥ ॥ वीमानवशिकाद
वीधूमवर्णकटिदधुवगाजउममूसाहिता २ अ(मदिनी)कासात्री मयूमवादानमकजाता

२५

अतिनालवर्ण ॥ ५९

वर्णमकिधामी ॥ ॥ नेमत्यवेष्टवीगमूडवादानगजवज्रसहिता मयूमधामी २ वायुववा
मूडदवीककाजवर्णसिंदवादानखजधामी ॥ ॥ अरुकलनागतिमयात्रिपादिर्त क
उपायनवडर्गदवी २ पुतमामि आवाधियात्र उगुतिमूगुति यरुसिद्धिरुल
द ॥ ५९ ॥ भाग ॥ **कासा ५** ॥ अ तिनीलवर्णमूधियादान मयमानस नपूरस
दह २ मोडरुयानकवी १० चमअरुभमममदाकाधमाई ॥ ॥ हेरुकालेयात्रपुव
उमाहकागतपनिवर्ण २ सयकमलवा मविंदहितीयनखरुखवर्म ॥ ॥ उयलति
मूलवक्तामर्धनागजिनाई रविघं २ कुजवकुंडराकगाल नकभपूडवकरी ॥ ॥

निज उव ॥ ३०

तितीनउंसीषमवदनंमालिंगतसमूहंधंसनकमती२॥थादलसुलासाहितांगनमा
माराहसमिपुर्त॥ ॥रुक्मानपतिमंआसायुगवांविताथेवमदयं२ऊमऊमसह
ऊजीरुंमर्वचमलममलसदापुतामं॥ ५० ॥२माग॥**मालव**॥निजउवमवधुवदन
वनाया२वीदरुगमनयागिनीयमिस॥**५१**॥आनंदादिदवाबुलिमान
दादिदवा२यमितावयीरुमवमनसासंपूर्ण॥॥पूकसिकाहिंरुवम
निजंकलहमूव२मवलिअनकाकिपिवसिसंताय॥॥पीडाडियातकलयिव
डा२गीतअनकाकिलकिवाऊक॥॥आलिकालिइयिपादधमक२डिदकि क

२५

कवन ॥ ५१ ॥ ५२

मलकलिनवाऊक॥॥पयिसयिदंविनिअद्ययसंया॥ग२७उयागिनीमंगलगी
क॥॥यस्यमियात्रिबोलीवताली२लपनचउसमहमूववाजा॥ ५१ ॥माग॥**ना**
ट॥कवनमूपलाकन्यमकवनमूपदूह२अखयनिमऊनसयानविगुद्धि॥**५२**॥
नाययिमवधुवकानकमान॥२खदोगउममूगीवनमनिलमाला॥॥अ
लस्यनिमंजनअरुलविदना२अमूलमधनगतिसयानविगुद्धि॥॥कडवालह
उवजकंकडवालनीला२अवधुवकाङ्कगतिगरुनडा॥॥रुलरुलरुलरुदमहम
मसूयंडा२तितीउवननाथउकसंवमया॥ ५२ ॥माग॥**नार**॥सकलजगजगु

२२॥ ५॥ २॥ ३॥

नृसुसुत्रवीना २ अतूपमकनृतकमीतसुखविहा ॥ ५॥ ॥ सुसुत्रसुसुत्रनृसुसुत्रावैर
विविधिविकल्पविनाशननृदा ॥ ॥ दवीनामादीकुसुमपुनददा २ सुवलयदहन
विनाशविहा ॥ ॥ सक
वासननृदा ॥ ॥ हायाहाय
सुखविहा ॥ ५२ ॥ नाग ॥ का माद ॥ हं वीजसंनवस्वसुमददा नववसदाहिंरातलकु
तधमा २ ददादगुजावदवदनं ददादगवकुलनकनरु ॥ ५॥ ॥ नमामिगीतिवकुं न्वन
मानरुवलयदहन ॥ ॥ वउनविंतिपी १० न्वननृपं यु किमं विनवीन न्वन २ वउ

२३॥ ५॥ २॥ ३॥

पवि विहा
नवकुपदकिर्मादवीसंपूरुपकलितहिता ॥ ॥ पहासंपूरुआलिकालिपदाकुंता
अतिसूदमा २ ददादगदवीजकलावा नमामिगीतिवकुसंवननाया ॥ ॥ सतगुनृवनेतसिल
संधार्यरुनयिगीतपीकुलिना ॥ २ दानपतिनमनारुपसयसकुलआनाधि
ता ॥ ५४ ॥ नाग ॥ नाट ॥ सहज
वीविनामा ॥ ५॥ ॥ सुंजयिनमदानसगुकातिधक २ वसलकुलिनासंयागसंनवा ॥ ॥
हाननृपितीदवीविन्यापिनी २ डिदीतिनवनामहासुखदाता ॥ ॥ उर्जाटापद
नादिनृधियापदल २ पाटीविंदुनसमहासुखदाता ॥ ॥ गुनृपतादअनूरुनक्रिया २
वकु ५

अथीजसूरव॥ २६३५५

दक्षिममाकासंसा न समुद्रं ॥ ३५ ॥ आगा ॥ **कामाउ** ॥ अंवीजसूरवकूवृवृददाहातिंनकल
 कृतधनाश्चामकुजघषमखर्वागदहिनकनटिधना ॥ **ॐ** ॥ नमामिगीनेमात्मादवीश्मा
 नरुवरुयदुनती ॥ ॥ वहुनविमकिपी०० श्रीमूवीचकवदनजिनकुधायं२पैवकमुडा
 रुषिकर्मेगोपीवनेनमिलमा ॥ **ला** ॥ ॥ त्वंदवदवीमिमिलमाप्पसून २६
 ननवंदितवमर्त२दवीयागिः ॥ **नी** ॥ कलावातमामिजिपयगुध्वमी ॥
 जीवजदवीपमाददानपतिममनाहर्ष२सकगुमूवमत्तमिनसंधायंरुनयिनत्नवज
 कलिमा ॥ ३५ ॥ आगा ॥ **गृगानमाला** ॥ द्विहुकुजकमूखनिनवभूमविममिलमाः

अथविभवजमूर्ध्ववंडक्यामकूटधमाहाउमरुनलसुलारिता ॥ **ॐ** ॥ गनाहृदं२क
 नाकहृदं२ ॥ ॥ वजवाहाहिमालिगलसुवनकुजद्वयनवजयगृधमाश्चालिहृम
 वपादरुनलदिगीविदिगीकाकाभादिममजाकिनीदवी ॥ ॥ जीवजदवीचमलप
 मादसकगुननिर्गगनधमी ॥ **या** ॥ २मवकिनत्नवजकलिमाऊमऊमपीस
 वनहीनता ॥ ३५ ॥ २आगा ॥ **ध** ॥ **नागी** ॥ तवाकाकामदासुखरुनवउआनंद
 ददायी२उकुवनरुनयीमदासुखमायावंडसूर्यइयिमनीया ॥ **ॐ** ॥ नपापनिनपूध
 नमिमा ॥ उकुवनउकसुनूपि२सर्वविकल्पविधंसनीदगीअनूरुनहानवमदायती ॥

२मवजाका ॥ ३५

२५॥ विष्णुसिद्धिः ॥ ५८

मृमिताहममुलउदयाप्रथिनि कल्यानलसिन्धुधयीरकमटिकपालखर्दगभाजेषह
हानवमदायती॥ ॥ दिगंयममदकतीवकिंकुलकविधुधामीश्वरकमखलपा
यनधामीयीवननमिलमाला॥ ॥ सर्वतथागतजननीदवी विनाहित लाव अवाव
श्रीवज्रयागिनीवननसिल
माग॥ **का** **ति** ॥ वागहिवसिद्धिः ॥ गतधनिया गभवकिसमनसैवजा॥ ५८ ॥
नकधर्मदयावापिया दवीमूककनीतीदिगंयमा॥ **ध** ॥ पुतमामिवाधुमीगीवज्रया
गिनीअनूरुनवाधियदायती॥ ॥ द्विउजउकमूरवहितीमावना लादितवर्षपद

२८

२६॥ विष्णुसिद्धिः ॥ ५९

लिता२ छिउवनवापिनीदहिनकर्हिधामीमर्जपूमीरकपालगामधामी॥ ॥ वकि
ककुलकविधुधामीलाथमावकविरुषितीश्वरनलोपूनकटियमखलाननमिलमा
वाविरुषिता॥ ॥ विश्वजन
मी२ सहजानंदस्वमूपितीद
वी॥ लाखनखरुमूरवज्रविरुनधर्मदयापनिमकुलशकृगगममनादनमकुलव
जभउहियकमलवन॥ **ध** ॥ ददलावतुनरुदयकमलधियवकुल२मद्विसिद्धि
वनविप्रविनाशनक्षमिसहामूडसिद्धिन॥ ॥ आदिवृद्धहियशनधनमकुलवि

२ नमामि२ तिनक्षत्र॥ १०

[illegible]

30

उत्तुवनऊनतीश्वर्यमानूवनाहसुनगमिती॥ ५ ॥ नमामिमामिषीद ३

इति हेतुन स सर्वपापकृत्यं कात्रदानवृत्तं उद्गमात्तु पदं ॥ नमामि शिष्यमर्माहुवागी
 न्धमषाठगडवानपत्रिमपुता २ पाठगतामलमूर्तमूर्तकामा सर्वदवपत्रिमपुता ॥
 नमामि शिवागी न्धममपुल्लय ॥ अगिनीनिवामिता २ सत्त्वविमाहित इष्टववि
 नागनपुल्लमामिजितवकुं ॥ गा ॥ ११ ॥ नाग ॥ मलाद ॥ कनकवर्णदधीष्ट
 मननमहिता २ सकलमात्रप्रियविप्रविनामिता ॥ ॥ धववर्णविपुलीकामपुत्र
 धनमिपुता २ घटकुजितयनाजितिवदता ॥ ॥ कसूमवामधनूदलिनप्रथका २
 स्रविस्तुतसव्यावामकनसाहिता ॥ ॥ वदनदहिनजितवामनीलकाला ॥ २ विवि

२ क न क व शू ॥ ११

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७३ ॥

[illegible]

२६ विनि॥ २६ गमयात्॥ १५

लिकनूतहिया२ऊन्मऊन्ममाभुहुंरुपायहात्रतगावक्रियमौदिवजगीता॥ १३॥ मा
ग॥ **चउ गिवा**॥ ह्विमिनितनवनविनासयिकयिसा२उथरुमाडाभगुलनाया॥ **क**॥ उऊँका
प्रहमत्रऊगरुनिर्वासियात्र॥ ॥ अमियअमियनित्रऊन्नदल२सदऊर्मंदत्रिया
किनरुत्रपयिस॥ ॥ **चवड**॥ यागिताउत्रमत्र२वडावाभादीआलिगत
कात्र॥ ॥ **उ० रुमाडाक मू**॥ लकवाल्लि२ऊर्यऊर्यआलिगतनिलवरू
वारि॥ १४॥ मागा॥ **सेत्रवि**॥ वंडमभानमिलसवृकावानुकितामागकिंकमघा२
गहनमभानअथकवृजायूनिकमघारुकरुकागा॥ **क**॥ ॥ इयमऊलयकरुन

32

[illegible]

२ धर्मगमिना ॥ अत्रवयनिर्दिष्टान् ॥ १५.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १८

वार्त्त ॥ ॥ पात्रवृन्दं लिख्यते दृष्ट्वा स न विदुः वक्रं दृष्ट्वा कलात्रवदनं श्रुत्वा पुत्रमनिवासनं
नमः पुमासा अत्रिवर्तिरेवादनं सिद्धिरुल्लसत् ॥ ॥ गभवन्ति सूनवजगुनूकत्वधामनं
दृष्ट्वा वनाशनं सा नरवर्गं गच्छन् धर्ममासनं सैष पत्रिभक्तकपी महाकालतवया
दशमती ॥ १८ ॥ भाग ॥ कनदि ॥ श्रीदवजनेमासादवीहिमुवननाथाश्वश्व
जिन्यापितर्पववर्षददा ॥ ५ ॥ तमामिणीलापुष्टुगुर्वेत्यश्वनूकपीगुक्त
न्यमीवजयागिनीमूयता ॥ ॥ पूर्वदिगसिद्धरुनवनीलवर्षदहिनवाधुधमीः
वामर्विदधमा ॥ ॥ यस्मिन्नीवीयागिनीदवीश्वभवन्तिनिगवजहंकानसर्वज

३४

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १९

॥ १९ ॥ भाग ॥ तमावत्रि ॥ दिनमलिमधुलवजाकश्चैदीतिदिगंवमा ॥ ५ ॥ नमा
मिणीविद्याधनिदवीश्वनगजसिद्धिवलयसादा ॥ ॥ दहिनहिद्रनवाससूक्तिश्वि
विहृपुष्पमालारुर्लजलि ॥ ॥ मकूटकमनेदिगभक्तिकिश्चुक्तदवीजगत
जननी ॥ ॥ श्रीवृक्षजकिनीः ॥ यागिनीमधिरुसिर्वाधिकाश्चभवन्ति सूनव
वजसंगलगीता ॥ १९ ॥ भाग ॥ नाट ॥ उदयागिनिभक्तनगतिमकासाश्चलिगकमा
टकधमीनदवी ॥ ५ ॥ मकूटकतीतितीलावनीदवी ॥ ॥ उक्तदवीलाकनविद्याधनिद
वी ॥ ॥ आलालिकवक्रउदयागिनिभक्तिसूनपुदकितीदिनमाशीश्चगगतनवीहि

तपनिपूजित॥ उक्तदवीमादितविधाधमिदवी॥ ॥ शक्तिमरुदलगतिमैविकिखनवि
 छिउदकाखनसूक्तमकाशसैदागकमगागृष्टिसकनता॥ उक्तदवीग्रहमविविधाधमी
 दवी॥ ॥ स्वर्गमैधवाजतिउवनचक्र उक्तदवीग्रहसर्वदवदराशैलंजातिउदवा
 मसर्वदवदरा॥ उक्तदवीका॥ सूत्रविधाधमीदवी॥ ॥ स्वर्गमिपैववर्ग
 कुनितातलितकानसूक्तिमिर्न॥ सर्वसत्वनष्टशैलंमिभित्तिकनसर्वसत्वन
 नष्ट॥ उक्तदवीदिवाकनविधाधमीदवी॥ ॥ स्वर्गदवी॥ सुखपुष्टुपुष्टुपुष्टुपुष्टुपुष्टु
 वीष्टुदिनमूननस्यदवीशदवलियागपितमुनउपदला॥ उक्तदवीमविमिगिविधाः

२१

धमीदवी॥ ८२ ॥ जाग॥ ललित॥ जयविद्याककहैकामसैजातशराजमुखगलपतिआ
 लिंगिता॥ ॥ नमामिउकमुखकाधमायाशैलंवननीलवर्णुपिंगलकमा॥ ॥ षट्
 उक्तदहितकमटिमूक्तमनूशवामपाहुपाशखद्वीगधमी॥ ॥ मूक्तमालव्यापुत्र
 मल्लवादलमायाशदनदिगः॥ मानविधिसनदवा॥ ॥ अद्विमिद्विवलवि
 प्रविनाशनशमावक्तिहैकाम॥ सैवजगीता॥ ८३ ॥ जाग॥ मूक्तमालसि॥
 वाउमउक्तमकुवकुहितकुशनीलवर्णुपुष्टुपादपिंगलकमा॥ ॥ कनाहैहैकना
 ककहैहै॥ ॥ दहितपयनकासपाहुआविरपदशहनिहमबुक्त॥ उक्तमारी॥

उपविष्टीक॥ ८२ ॥ जाग॥ ललित॥ जयविद्याककहैकामसैजातशराजमुखगलपतिआ
 लिंगिता॥ ॥ नमामिउकमुखकाधमायाशैलंवननीलवर्णुपिंगलकमा॥ ॥ षट्
 उक्तदहितकमटिमूक्तमनूशवामपाहुपाशखद्वीगधमी॥ ॥ मूक्तमालव्यापुत्र
 मल्लवादलमायाशदनदिगः॥ मानविधिसनदवा॥ ॥ अद्विमिद्विवलवि
 प्रविनाशनशमावक्तिहैकाम॥ सैवजगीता॥ ८३ ॥ जाग॥ मूक्तमालसि॥
 वाउमउक्तमकुवकुहितकुशनीलवर्णुपुष्टुपादपिंगलकमा॥ ॥ कनाहैहैकना
 ककहैहै॥ ॥ दहितपयनकासपाहुआविरपदशहनिहमबुक्त॥ उक्तमारी॥

२ वरुणाग्निनी॥ २ वरुणमयरुमि॥ ८५

कृष्णवर्णद्विभुजहिसिलायनाश्रदहिनकनटिकासखद्वोगापादं ॥ ॥ नमो हूँ श्रीदत्तत्रय
 नात्मादयीशसकगुणवृक्षनलजिनसिद्धिगीता ॥ ८४ ॥ जाग ॥ मानमि ॥ वज्रपाणिनीदम्
 वमायाश्रितुवनदहिमपा ॥ ॥ लम्बनी ॥ ॥ पीवयिनमदमसमदाह
 खरुनयीयाश्रवजदयीरुली ॥ ॥ याश्रुनरुनहात ॥ ॥ उद्धनामीहिदलः ॥ ३५
 कमलसैयालाश्रदहिविनासापवनसीरदयी ॥ ॥ कुञ्जयिनपर्वमदासूखेश्वर
 मिलसवीजवागूला ॥ ॥ सकगुणपसादवदुर्थाहिषकशपातग्वनीसैसाजस
 मूर्ड ॥ ८५ ॥ जाग ॥ मधुमक ॥ काल ॥ इर्जमान ॥ वज्रमेयरुमिविष्णुधयमकुलम
 चनन ॥ ॥ कनविया

दनीवडीरुववजवधहं२हं२२सुपममाकनरुमितिवासितामानसयनसंजामक
नं॥५॥संरुतिर्संरुतिहं२हं२गृह२हं२हं२गृहपय२हं२हं२आनयदाक
गवतविद्यामाकहं२हं२खदये२आलिखदम॥॥दाककनाजिकमिकिकड
सुनयवडापाकात्रहं२हं२॥अहदिगपालपमायकनसर्वविक्रुख्यः
उम॥॥गगतनिमाववधः॥कलिगवितामयवजविकानहं२हं२वजप
जलहं॥कलिगानिपसमजालजोसंजां॥॥किदकिमपुलमायविमन्वमसर्वस
वहियापुमादकन२सकगुनूआहासिलंनकधमियाहनयिलिलावजवेंजैरुमि

असिद्ध ॥ ८५

आधम ॥ ८५ ॥ जाग ॥ हे मवि ॥ असिद्ध पागधुन हं कामा रुव मात्र निपुण दन अत्र लवी
म २ सु मयि अत्र नरु म हा को ध माया अलिय विष्णु म मूरु म ॥ ५ ॥ हं ता र खं द ये सर्व इ
न कीलय हं रुट पा प ह न हं ॥ व ड कीलय उ क ल वि न आ हा काय वा क वि
रु कीलय कि २ पी रं पु वी न आ ॥ मा धि या ने अ न र म सिद्धि प द मा रु ल द ॥ २१
॥ पूर्व न्ध ता व ल म हा वी न र्द दं ॥ व र्ण का ध न र्प २ उ मा व ल म र्द स रु मु न म र्द
वा धि प ति ग त का स य कि ॥ ॥ द कि (त पी ता व ल म हा वी न क न क व र्ण क नू ही म नू र्द २
म हि षा स न म हा म ड नी ल व र्ण ध न इ ष्ट प क मा ट् म ह य र्द ॥ ॥ प शि म न क व ल म हा

वी न न र्द व र्ण र व रु पा ल ध र्द २ म क ला स न सि द्ध मि त द ह आ वा धि प ति ग त की ल य कि
॥ ॥ उ रु न न्ध मा व ल म हा का ध न्ध म व र्ण क नू वि क ट नू र्प २ रु न ग स न सृ पी त व र्ण
म रु मा ट् ग ल र्ज य कि ॥ ॥ द रु न व न का (त द वी मा ह व डी र्द दं इ व र्ण क र्हि पा उ ध
मी २ रु ग स न म हा नू डी पु व ॥ ध मी द रु न धि प ति ग त की ल य कि ॥ ॥
ने अ ल्य का (त द वी पि तु न व डी ॥ क न क व र्ण क नू या ल नू पी २ न मा स न म हा री
मा र व रु पा ल प ना क र्वा ला धि प ति म र्द य कि ॥ ॥ वा य व्य का (त द वी मा ग व डी मा हि त
व र्ण क र्हि पा उ ध मी २ रु ग स न वा य प ना का ध न स स न धि प ति की ल य कि ॥ ॥

८७

नवमका लदवी ॐ मावडी भामवर्तुन नकाधवदनी २ वृषासन तिनयन तिनूलधारी
ताधिपति सदा ॥ ॥ दहिन नयन उर्द्ध दमि नवतु मावली सदा वृषा पुनयति २ व
का मदिन निगुद अरु सयन ॥ खवनिमात्र गत सयनिता ॥ ॥ वामा रुद
निवास नयन वतु मावली स ॥ कमसारुन पात्रय नि २ पृथिवी असूत्र गत
लापता गादि सयनी रुव निमात्र गत गत कर ॥ ॥ दहदिद दाह हं काम सैरु व
पुनमा मिथी वतु सदा मावली २ आसा पत्रि पूत्र न दान पति स सव विप्र निवा न व सिद्धि
रुलदी ॥ ८७ ॥ मागा ॥ **रुत्रवि** ॥ ॐ खवज धरु वज हं कामाल कालिमा त्रिपुत्रा प

३८

पूर्वशक्त पूर्वसूत्र म पनं हनी नय निपुण ॥ यात्र नृपा प्रवक्ष्ये मासा ॥ ८८ ॥

पियान २ रुलपि अननमदा काधन अस्थिय विप्र समूह ॥ ॥ पय पाटय २ स
वर्द्धन कीलय हं रुद पाप रुन २ उ वज कीलय वजधन आहा काय वाक विरु कीले
यनि २ श्री वज सल आ मोधिया ॥ न अनुरु न सिद्धि पद मा रुल दी ॥ १ ॥
पूर्वादि वात्र का कानना नहिना ॥ नाज युति पाल नृपा २ व ॥ पुगरी वली २ म
नामा न व वाधिपति गत कीलय नि ॥ ॥ ॐ उरु नदि गदा न उलूकानना न भामव
वृत्त नू ही मनयन २ ओ उ गहन महाभा नात्रय काधिपति गत कीलय नि ॥ ॥ ॐ प
निमदि गदा न न्वा मानना न सिंधू नू लत नू विकट नृपा २ का लो कूल महाभा ना
उरु नय रु नाय नत्त थानी स्या मेव रुका महा डि तिन नृपा व २ नृका स्थान मा मिदी ॥ २ ॥ २ ॥

इति प्रथमोऽपि तनको लोक व्यास विप्र निमिष इति पात्रादना
सिद्धेनाममद्दिनता सुप्रसिद्ध ॥ ५ ॥ ११

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥

पत्नीपीता वातुकिनाग वक्रुगरी पत्नयूतिरुजलदा ॥ ४० ॥ उँ गतपतिकुमात्रमदाकाल
 कुरुपालयागिनीगता २ मयमाँ समस्य पञ्चविधपूजनगृह्णतुखादकुपीवकु ॥ ॥
 यवर्गजात नदीतलधनद पिष्पलपाद वक्रुगरी २ मयली गता न ककनाग
 गक्रुमरीवा मय पूतिरुजलः ॥ ॥ तवर्गजात विद्यानवमूली अन्वः ४०
 कपादप नू नू गरी २ मय ॥ ॥ तीर्क म ककारिकनाग हाली वला ना डि
 रुजलदा ॥ ॥ यवर्गजात पर्वत समत वृहकपाद प कपिलरु गरी २ वा मादी न
 का पञ्चकुडी ग कर्क करु गव वरी रुजलदा ॥ ॥ कवर्गजात उक वृ ना कर्म उपाद

[illegible]

गणेश
५२
२०

॥ ८८ ॥ नाग ॥ **मलाद** ॥ गंधमधुलमध्वं कावसे जाता ॥ दि कुऊ उक मूखी पृथिवी दवी
॥ ५ ॥ उक हिमदा दवी पृथिवी माता ॥ सर्व वस्त्र सर्व पूर्ण विरुषिती ॥ पीत वस्त्र सोम्य नू
पिती दवी ॥ सर्व मरु र्य कन लाक से जावती ॥ ॥ कने करुड घट वाम कने वक्षत्री
अथ कने अरु य लाक से का ॥ ॥ मती ॥ ॥ दिव्या लंका मरु विरु ददा शदा
मनो पून निद्या पव संधा मा ॥ ॥ २० ॥ नाग ॥ **हे वरी** ॥ निर्मा ल मूड मध्व ग
रु कल म ॥ पंचा मरु मय पत्रियू रिता ॥ विध मय गति रु पंच पत्र वा मती सर्व लू न ऊ
निम सिधा पि ता ॥ ५ ॥ हं हं कने इव जा वार्य मरु विना सिरु कर्म वडी सहि ता ॥ ५

४१

७७
२१

ग
हास्य मू पिती ॥ वड निव्या हिम रु पत्रियू रू रु उ ना रु व स मू ड रु व ल ति मि ल रु म ल ॥ ॥
पूर्व दल मै रु पंच मू रु म ल जि ता पंच विं म ति रु दि रु वू रु का र्य ॥ द कि ल द ल ग रु व
ऊ रु व स म स मू र्य जि रु व न ॥ ॥ म म व सा पा य वि रु डि ॥ ॥ पश्चिम द ल ग
रु डी रु व ल धि ता ध व रु व रु ल ॥ ॥ सि डि रु म रु ला जि ता ॥ उ रु व द ल ग रु प रु
पा व ल दि ता हा न स मू पि ती वि रु रु रु न नी ॥ ॥ मू र्मा दि द ल ग रु रु व रु वी ता नू ली रु
रु म रु व रु रु रु रु रु पि ता म ॥ पृ ष्ठा विं न्या मि रु वि ध म य पू जि ता पु ल मा मि व रु म रु
मि ल सा धू ता ॥ २१ ॥ नाग ॥ **हे वरी** ॥ पु वि रु रु रु ग व न म दा मा रु पू न रु द रु पि रु

२२
२२

नूरुनवाधिवर्दे २ जगामनलरुयवधनभावनपनमासुक्रमयपनमगुर्न ॥ २१ ॥ उदिवत्स
मदायाननयारुमददिविहामृतपाननक २ दशयिहिरुमगभवगुक्रकथना नू
रुनवाधिवर्दे ॥ सर्वकथागतपूजनयाय, याकयामिमपापकन २ ययुपागदिकी
कपनिवहिरु कमलकुलिम पवित्रामन ॥ ॥ वृत्तमउदकमवृत्तस
निकमलाजिनकुलसमयावा र्यपद २ मजाजनवजदपतसत्रककददी
वलमतिपुलासुर्न ॥ ॥ नमामि २ गीवकसर्वनगुनवाकदृधविया २ सकगुनय
नलकमलपसादमूनरुनसिद्धिपदमाकुरुलद ॥ २२ ॥ नाग ॥ विरुस ॥ धन २२

४२

२३
२३

धनधनधन २ धानय २ चक्रिमिल ॥ २३ ॥ वृत्त २ वजधर्मसमय २ र्च आलालिकक नू
वद ॥ ॥ मववजधकसमय २ कुरु २ यागसुविनवन ॥ ॥ कुतुलि २ ददधन २ मू
मयकलनिरु कमलधन ॥ ॥ वजसूर्यआहावकमा २ विधर्मयसमयस
दासमह ॥ ॥ गलधुकवजजि नैकगुकुिका कमलधन ॥ ॥ साग्वंतनिथ
लावधम २ गवतसदकुखलावधन ॥ ॥ उददिजिनजिकसुगरु २ कायनिवधनवा
वकवन ॥ ॥ उंडीपुहाधुकसुगता २ मखलमदिकपतसुख ॥ ॥ हं रुट आदि न
ववतवन २ पुतमामिसुनकवजमिल ॥ २३ ॥ नाग ॥ माला ॥ गामादहिनी २ दयिघ

२५ नमः ॥ २६

जली २ माया विना मयि सदा मुख त्रयिया ॥ ५ ॥ सुखयिया नयायिया सुदुःखमयिया २
सयनविमयलापनिकाव ॥ ॥ गयनमयनविरुविना ॥ २ कायवाकविरुचकमि
या ॥ ॥ उकंधावयी आहल यिया २ आवयिअपातिगो ॥ ॥ पावयिअगुमूः
वाटपुसाट २ रुतयिवाकवज ॥ ॥ नूनासमाधि ॥ २४ ॥ ज्ञाना ॥ **राम** ॥ यत्रमन
कान्तवरावनरावक २ नवेवि ॥ ॥ गहनैगारुका ॥ मीसनमानितामूठनविह
नवेयुतमादनसावपुविर् ॥ ५ ॥ ॥ गगद्वयमदामानदुःखा २ नवये ॥ नूनासमानद
वा ॥ रावनरावकमिठनगुनिहमैगसदुःखविर् ॥ ॥ यनैरुयनैरुवधकि

४३

वर

२६ नमः ॥ २७

लाका २ रुतैरुतनैरुवधनमूया ॥ लाकासादतिवर्तिनकता ॥ रुतविवर्जितसिद्धिनर्
वैय्या ॥ ॥ रुसागर्गधनरादनवृण २ नयनसंतवचिरुविर् ॥ ॥ प्रमस नंथस नसयल
विगुधिसरावनक ॥ ॥ २४ ॥ ॥ ज्ञाना ॥ **ताडि** ॥ सुप्रतिमविभमधुलवर्क २ उडि
रुचुपकाकविकानै ॥ सुप्रः ॥ ॥ किनादितुंडमनक २ रुदनूवगीतवजन
मनाई ॥ ५ ॥ ॥ पंचवृद्धात्मक ॥ ॥ सर्ववीरुहायै २ पन्थकनाटकविहकदिवी
जाहाहिउकमदासुदनामा २ नृत्यगुगीतवयकनमर्न ॥ ॥ ॥ आवकमहायानसिह
रुहिकार्य २ मा नवत्रिधकत्वविवन ॥ ॥ दक्षवत्रिवनवृद्धगु ॥ ॥ २५ ॥ ॥ निनादहिक

२०५
२०६
२०७
२०८
२०९
२१०
२११
२१२
२१३
२१४
२१५
२१६
२१७
२१८
२१९
२२०
२२१
२२२
२२३
२२४
२२५
२२६
२२७
२२८
२२९
२३०
२३१
२३२
२३३
२३४
२३५
२३६
२३७
२३८
२३९
२४०
२४१
२४२
२४३
२४४
२४५
२४६
२४७
२४८
२४९
२५०
२५१
२५२
२५३
२५४
२५५
२५६
२५७
२५८
२५९
२६०
२६१
२६२
२६३
२६४
२६५
२६६
२६७
२६८
२६९
२७०
२७१
२७२
२७३
२७४
२७५
२७६
२७७
२७८
२७९
२८०
२८१
२८२
२८३
२८४
२८५
२८६
२८७
२८८
२८९
२९०
२९१
२९२
२९३
२९४
२९५
२९६
२९७
२९८
२९९
३००

सर्वं ॥ ॥ वदन्ति यत्र नृपतिमिच्छन्ति नृपतिं ॥ वदन्ति यत्र नृपतिमिच्छन्ति नृपतिं ॥
यत्र नृपतिमिच्छन्ति नृपतिं ॥ २३ ॥ नाग ॥ **वमाडि** ॥ कायि नृपतिं ॥ वाडि नृपतिं ॥ २४ ॥
दत्त सर्वदत्त विदुषः ॥ ॥ अत्र नृपतिमिच्छन्ति नृपतिं ॥ २५ ॥
महि सिद्धिदहि पसाद ॥ ॥ गी ॥ अत्र नृपतिमिच्छन्ति नृपतिं ॥ २६ ॥
गगनद्वय ॥ ॥ उदिग्न लवङ्ग विमल ॥ गगनद्वय ॥ २७ ॥
पवनपञ्चाल ॥ ॥ कलव ॥ विमल ॥ २८ ॥ नाग ॥ **गन्धर्व** ॥
॥ हलसिलमकरकि ॥ नृपतिमिच्छन्ति नृपतिं ॥ २९ ॥

४४

२३१
२३२
२३३
२३४
२३५
२३६
२३७
२३८
२३९
२४०
२४१
२४२
२४३
२४४
२४५
२४६
२४७
२४८
२४९
२५०
२५१
२५२
२५३
२५४
२५५
२५६
२५७
२५८
२५९
२६०
२६१
२६२
२६३
२६४
२६५
२६६
२६७
२६८
२६९
२७०
२७१
२७२
२७३
२७४
२७५
२७६
२७७
२७८
२७९
२८०
२८१
२८२
२८३
२८४
२८५
२८६
२८७
२८८
२८९
२९०
२९१
२९२
२९३
२९४
२९५
२९६
२९७
२९८
२९९
३००

नृपतिमिच्छन्ति नृपतिं ॥ ॥ गगनद्वय ॥ ॥ ३० ॥
लिङ्गुगुक्कट पञ्चनय ॥ ॥ ३१ ॥ नाग ॥ **हर्वी** ॥
नजोरु नउदक विवर्द्ध ॥ ॥ ३२ ॥
जिनगुप्तनयन ॥ ॥ क ॥
नजुक्कनका ॥ ॥ पवनद्वय ॥
ददितदाह ॥ ॥ सुगन्ध ॥
यवाध ॥ ॥ ३३ ॥ नाग ॥ **कामाडि** ॥

हानहि किं ॥ ५ ॥ स्वधिक न जा ज्ञेय य मूधना २ रुम न हि नाल पां गुमि व क जनी ॥ ॥
 ऊं वृत्त व न य ज न किं वृत्त किं २ अरु ध न ना य वृत्त द न क ननी ॥ ॥ पृथ्वी म ना जा अरु
 क ननी म य २ रुम वृत्त दि वृत्त ॥ असि व द द सा ॥ ॥ उ म ग धि प ति प ना य वृत्त
 वा २ व ध या स व ध या न न क ननी ॥ समि ग स्य ना थ न्य ज ग न स्य न २ रुम य व ति
 थं वृत्त अरु न हि दार्प ॥ ॥ य रु ग न ना जा ग द्यु ली का पृथ्वी २ ना थ रु म व आ हा व ध न क ननी ॥
 नो वृत्त ग ल न्य न न व वि पृथ्वी क न कि २ ना थ हा आ य वृत्त न जि व र्थं ययी ॥ ॥ अ वृत्त वृत्त वृत्त ना
 थ वृत्त ना य नि नि त्वा २ रुम वृत्त वृत्त वि र्थं ति रुमि व क न वनी ॥ ॥ वृत्त वृत्त ना म अरु जा

४५

ध ना जा २ रुम दि ग सि रु मा न ना स न क ननी ॥ वा द्यु लि व न नी वृत्त ग न ध वि या २ रुम व ति
 कू लि ना यी गी क व ति ना ॥ १०० ॥ ना ग ॥ रुम वि ॥ द व दि र्ग व न ध व न ति न ति ग ज व र्म वि रु
 धि क ना य यि स म वृत्त न य न ध न रु २ रुम व काली ना द ति रुम ना य यि पु र मा मि रू रू का
 ना ॥ ५ ॥ २० रु मा ठा र्म व न क ॥ मू ल म य द द २ रुम ज न म मा मू र्थं रु म न नी ॥
 स रु जा ध नू म य जि म म ल म ॥ ल त्थ उ व उ जि व न क प य प र व ह न क न क
 न रु र्थं वृत्त मू र्थ वि पृथ्वी ना ग न पु र मा मि रू रू का ना ॥ ॥ प ल या न न ना न ना ग न रु ल न रु ल
 ज गु ल ना य जा टि नू पा २ रुम न द मू र्थ ति रुम म म न रु रु य २ रुम वि ना ग न पु र मा मि रू रू का

२५ दिनी व ॥ १००

१०४

हमूव २ दमा मूका ना ॥ २ ॥ द्विविचंडाली मया कुतु मूतना ॥ ॥ दहिन उम मूकामय द्वा ॥ २ ॥
सूयागिनी मूक दमूव वागी ॥ ॥ वामद्वी दहिन वडागी २ ॥ मय विना सखि ह मूव सै ॥ ॥
गाव कि कर्षा ह मूव दा स २ काय वाक विरु द मूव निरु ॥ १०४ ॥ माग ॥ **गुंजलि** ॥ कनक
माट का वा उ ही उजा हं स पु क टि
सा ॥ **५** ॥ धी म ना य वि २ वी ह म
मा ॥ ॥ वक्रा वा य वि म य तु म
न मा र्व डा ॥ ॥ वक्रा य ती मू डा य ती मा हू ॥ ॥ व वि व ति उ ह य धा मी २ ॥ खा मि मा म य प वि धा

४१

१०५

म जी ह मू व मा या ॥ ॥ म नि च र्म कि न क र माल की क न कि न गी मा या २ साथ स मू डा द ला क ला
मा गा व कि क कू टि प मा या ॥ १०५ ॥ मा ग ॥ **कैजल** ॥ उं आ ४ हं स रा व मू पा नी ल जी मू क र्म का
गा २ च र्व ल वा दे ल वि ति न य न
मू मू कि म द्वि सि द्वि व म दा का श क
ता ॥ ॥ वि पू रु द या प वि पु त्या
न व म सा स न वा वि म दा वी मा ॥ ॥ उ ह क माल लाल जि का ह क टि उ ह पि म ल क म २
सु ऊ मा ह म रू पि क द दा ही ष म म्मा पि ह यी क मा ॥ ॥ वी म दा काल जि उ व न वा पि ह द

२॥ श्रीरङ्गकाम ॥ १०५
२॥ वासुकलमठना ॥ १०७

वासुदेवनमसविता २ सकं गुन्नीता गभर्तु तत्र त्रय क म ल र्व दि ता ॥ १०५ ॥ भाग ॥ क त दि ॥ नील
हं कान प्रकलित कि न त २ उर्ध्व पि ग ल क म ग्री ह व ड म या ॥ ॥ नी ला व र्व द वा क म टि क वा
ल ध ना २ उ ग र म क क नी ग्री ने मा त्मा म ती ॥ ॥ का म वी न द दि आ लिं ग त म मा धि २ वा ठ म उ ड
क ना ट क ध मिया ॥ ॥ रु स्म वि रुः
व गिल मा ला ॥ ॥ बु क्क म ह न्द
म न म र्द नै ॥ १०६ ॥ भाग ॥ प र म ॥ वा स क ल म गु ल म म्भ म धि ता वि वि ष म ल द्दी प प्र द
लि ता २ नो ड म म न स ग र स ह म क र्ण व र्ण म र्द स हि ता ॥ ॥ व ड वा म दौ आ लिं ग त ह

२५ निजा किनदा ॥ १०८

वयि, त्रिभुवनचक्रसूत्रादिता २ जगत्सूत्रा ०० नू विन्यवज्जद्विपिचर्मकतिविहृषिता ॥ ॥
 वरुणवदनशक्तिवकुलिनर्तनीलश्यामलाहितपीता २ दहिनकनकवज्जद्विपिचर्ममूर्जना
 स्वद्विकितलत्रिभूलधामिता ॥ कामकनकचक्रवर्णांगपाठपाठप्रक्रमसूत्रधामिता २
 काध्याधिपतीवक्रसंवननायात्रा ॥ त्रिकालिद्रयिवापयिधामिता ॥ शुक्तिमग
 नपुरुषादगुणपठमूढारु ॥ नलविहृषिता २ पदमामिणीमृष्टिर्मलाग्रना
 थारुनयिअनूपमवज्जगीता ॥ १०८ ॥ जाग ॥ मलाउ ॥ शनियाकिमलघूमिललिता
 सन २ किमतिमललजिगस्वनेला ॥ ५ ॥ नमामिहवसूधामाजिनजननि २ विनि

२ छिन्नवनदवी ॥ १०८

तनसापूलनिधाति ॥ रुद्रकलहावामकत्रधात्री श्रध्वा नमश्छलिपहापूरु कधात्री ॥
निधिदहीतनत्रमश्छलि २ सगुनयमदापुलसितधात्री ॥ लाकन्यनवडापालि
०० लादवी २ ऊं नमः समुला
गमध्वदवी २ द्विगुज उकम
सिदवी वरुठा किनी उकदवी
दहिनरुजवजविनाहनिदवी श्रवामरुजक नाटक वरुमानपिवयि ॥ अद्विसि
द्विदवी वनमदगतिनाहनी २ रुवरुयद नदी वरुहयद नदी ॥ दविआकाशविम

४८

१ पूर्वाहिमरु ॥ ११०
२ छिन्नजिक ॥ १११

धमिदवी २ रुनयप्रवजानल वजसलदवी वनने ॥ ११० ॥ नाग ॥ म. न. ॥ पूर्वाहिमरु
द्विगुज नीलवर्षदहा २ दहिनरुस्य भवामध्वानमडा ॥ १११ ॥ नमामिहै जात छिन्नवनन्य
मा २ रुयवक न्यनसूनननवदिता ॥ दकिदवी पीवजसमस्वति ॥ वामणी ना
मर्हतावाध्वगमडा ॥ पय
लणी अकायजिन ॥ रु
मलमा रुल्लपुमादा ॥ १११ ॥ नाग ॥ से न. ॥ जिनजिक नलाध्वका आलालिक पहाध्व
का २ नागनकिद्व पनकिमाद नकिवज नकि ॥ ११२ ॥ नमः ४ ऊं २ पुरुषीयसमाऊवज

१८५०

अथ यथाज्ञा २ नमस्तुतु दत्तवीर्यपूजायिणा जानमिसदकनाजा ॥ ॥ नृपशठगन्धनसर्व
 जा नमिसाय नमस्तुतु दत्ता २ अजिह्वपित्तिकार्ककुलिशकनाजा गगनगर्भवना ॥ ॥
 कमलकुलाकनवनयधमालि ॥ नमस्तुतु पुदा ॥ ॥ विष्णुककायलनर्कनाजनी
 लदुमदावला २ उषीषचक्र ॥ सूरनाज नमस्तुतु विष्णुमधुला ॥ १२ ॥ नाग ॥
 वरुण ॥ ॥ गोत्रीवीर्यवनामीय ॥ स्मृतीपूजाविष्णुवनीर्षदानीर्षविनीमधुलप
 वला ॥ ॥ ॥ अनेदनायिदुमवनेया २ नेमात्मादवीहलयया ॥ ॥ नमस्तुतु वनव
 र्पयमस्तुतु २ विष्णुकनमुमालादिगीवना ॥ ॥ पंचासूतनसत्तमकदद नशदगदयउ

अथ द्वादशोऽध्यायः ॥ ११३

ऊर्ध्वमिहमयना ॥ ॥ सितवक्रं नूतनं समस्तं वागाश्च नयिष्ये मायवज्जहन्वकागा ॥
 ॥ ११२ ॥ आगा ॥ काडि ॥ पुवनदहनजवकुसिमनूपनिविन्धकमलाश्चिन्मलिमलु
 लहंजयीहन्कृत्यमुखषट्
 कतात्रयिनवत्रसर्पलावा ॥ ॥ कुजविनम्बगा ॥ ॥ वज्रवागादीगढालिगि
 षट्मृगजलावाश्च जयगुग
 विन्धवज्जरायूकसारुवामर्चदपंचकपालधवाश्च्युवर्मकनिदलापाभननम
 तुमालाविरुषिता ॥ ॥ रुजवकालीजालिठवाययियायुगमर्चसिद्धिस्त्रय्याश्च

२ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११६

वक्रपतिमुख मूढाविरुषित सुविमुक्त जिनवज्रमोलीधरा ॥ ११५ ॥ आगा ॥ **मधुमत्** ॥
नमामि शशीयागम मन्त्रं गीष्ममस्तनजकिनी आर्त्तिगत २ इति कदम्ब (१) अतिधृत मरुददा
स्तनजकिनी पत्रमन्धरी ॥ ५ ॥ कृता हं हं २ कृता कृता हं हं ॥ । दहिन कर्म दहिन वाम
धनवत्तरीया वृक्ष कपालधरा ॥ २ वज्रयवृक्षितीलावता मुदनी पासितकाध
मृगमयी ॥ ॥ विविधिमार्ग विप्रविनाशिका मद्धिमिद्धि वत्रपदाय निश्च
मरुतवक्रुषिवदनगादहाऊन्मरुताऊगागा ॥ ॥ पतववक्रपत्रमात्रय रुगकि
रुवक्रुषिपत्न्यपदं २ ऊत्रमऊत्रमकृता पापरयकर्म आदिवत्तपत्रमन्धरी ॥ ११५ ॥

५१

१ सादशायन ॥ ११५

आगा ॥ **ललिता** ॥ सादहादायनर नूतिन कियमित्रवासा नाथिगात्रमाऊनदात्रा २ द्वाउमा
नमो भगवते किमिहिकुरु सयगा नपावसितयमृतिदात्रा ॥ ५ ॥ दवाकयितुमिहिकिमिति
कुरुनामहात्रिगा २ दहिति आलिह सदावमसि विकमाला किति नय अकिममूवा ॥ ॥
मिहसुहसुमनुलमाप्पवसिन ॥ वतापा अगुर्थधन किन पावदीपा २ कर्मटि
षयमखंडांग नकदात्रपयसि ॥ लऊममकटकहावाली ॥ ॥ पयनथमरु
दहसिचउदवाऊ कदिनाथ दवाऊ पावतिऊय २ ऊंगरुता नूतिनाति सयत्रऊगुमा
ना २ हिमसायि अकिमकुर्य ॥ ॥ रुवदायनरमतिविनय मन्त्रवक्रकयिजा नू

२ नमामि २ श्री गणेशाय नमः ॥ ११५ ॥
 ११५
 ११५

हवीज गुणपसायं २ अथियं विय कत्रि किं पात हिम ऊरु नाथ लाव अलाव हि यं ॥ ११५ ॥
 माग ॥ **माला १** ॥ नमामि २ श्री गणेशाय नमः ॥ २ नमः श्री गणेशाय नमः ॥ ३ ॥ नमः
 मिती वज्रयागिनी लाहि न व नमः ॥ ला २ अ नरु न वा धिपदायनी दवी ॥ ॥ डि उ
 वन व्यापित दहि न क म रि धा मी ॥ २ सद जा नै द नृ पि ती द वी ॥ ॥ दू टा ग म म
 ना द म म गु ला २ वा म प प म क ॥ ॥ उ ख द्वा ग धा मी ॥ ॥ न क ध र्मा द या वा प यि
 ती द व २ नमामि वा दू ती गु ध र्मा मी ॥ ११७ ॥ माग ॥ **माला २** ॥ वियं यागी वियं विन विय
 आनंद विना स यि ती ल व र्ण द नृ व र्ण र्ण ॥ ॥ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ११८ ॥

५२

१ वज्रधरा ॥ ११६ ॥

ननुद सि च क क म यि या ॥ ॥ द्वा मा २ जा गि ना र्च प यि मा र्च २ ता क २ मा उ तु अ लिं ग ल ग
 र्च ॥ ॥ जा क २ जा गि ती तु क्त मा र्च र्ण २ म लि क ल न हि त म म शू क मा ग ॥ ॥ मा म कि
 ला व नि य पु नि ता मा २ वि ना स ॥ यि हा म गु डि न ऊ ल र्च डा ॥ ११८ ॥ माग ॥ **मध**
म ॥ वज्रधरा पय वृक्ष मूनि व ॥ न मा या ग जा स न रु र्ण मू डा २ म गु ल सू क
 वा क ता सा ऊ खि ल मि व हा व स हा व स मी ॥ ॥ ॥ मा ग व ज म पु य वृ द्ध म दा म गु ल सू क
 पा उ या मि २ र्चि दा स न हि त म पू र्ण र्च ड य नि मू रि म थ स ख रु ल दा य क ॥ ॥ न ल ध क
 धि न व र्ण द हि न व म द क म अ न्वा नृ ध वि ना गि र्ण २ म दा म गु ल सू क ना य हं आ ला लि क द

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ११५

हिममद्वि सिद्धि ॥ ॥ धर्मवर्द्धि कृतार्थमयुनास्तु न सिद्धि तव्या नमो दाधनं वृद्ध नाथा २ सूठपा
नमो माधय (लाधय) दानपति मंत्रक ॥ ॥ कर्मवर्द्धि नितवन अरुयमूडाधनं गनूजस
न सिद्धि नयत्ता २ कृतव हानविनय सिद्धि वन मदा मगुल सूठपाठयेति ॥ ११२ ॥ भागा ॥ न
८ ॥ जिदलममावृद्ध दिनकन मगुलमाजित, जिदुवनऊननि २ मककन
वृद्धि नितनयन मात्र मयत्रि पृष्ठदनी ॥ ५ ॥ दवीकवतिकपात्रधमाक
षितनत्रमिलमाला २ कमलकलिगदयि, तात्रवाऊयि नावयी सदजास्वमृषिती ॥ ॥
वकिमिलं कर्पूकपुलकपूकपिंकमरा २ दा (थ) माचककतियमेखलचत्र (ल) नोपम

सुदिनसुदनी १२०

स्वकिता ॥ ॥ सुवधुमयाननरुजधनरुदहिअहाकलापा २ लावालावविजिहअनन
पमअनरुमगगलस्वनूपिलीपइमयवडयदनिमगतधमियागवयीहासकूलि
२अनरुनसिद्धिमाकपुदाय
नादि ॥ उदिरु सुवन कमला
मलददयाकमूला मयनाथा
गंधर्गमनलाहि सुवन व्यापित रुगन उ द्वित्रिया पुतमामिलाकंभना ॥ ॥ कनक
मलमलिहा मरिह विलाकनकसूवक धाविश्यामकमल धात्रियनत आह मलध

२महाभ्युपनिषद् १२१

महजानंदमूर्ति॥ ॥ मृगनयनकृति चमपायदृष्टवदमत्तगतपूजिया ललाकपमः
लसिनीभूमिवा २ तिसिलयानखलुमा रुपदाता दर्शनपायदृष्टवदमत्त॥ ॥ न कू
वर्तुमखनयनसुलावना सर्व ललातसंपूर्व २ नलषवितवृकुक्षमीनला
कव्यममधमगुलकुज यजाज ॥ १२१ ॥ मागा **कामाठमल** ॥ अरुथदाथ १४
योनासिसिद्धाकायाकायविदामा कायागिवायुमदनीकायामर्वतीर्थी॥ ३ ॥ १५
वालासिलगावृकुक्षयागितीर्वध्वसयात्रविदामा २ कायाद्युदिन आनन्दमानस्यमाह
रुक्रममा ॥ कायाचंदकायासूर्यकायानरुहमाला २ पदिकसयात्रविदामा पतिर्थी

२नमामिशीलनीकमलधना कृपात्रकहिसंयकन २ वामकुजस्वरुप

अमीदुलीरुलाठा ॥ कायागयाकृत्कायामदावाधिकाया सर्वतीर्थी २ अष्टस
मूडविचकात्रकामममगुल ॥ अष्टखरुवपतिकात्रतीस्वरितनवइवात्र
२ वियवजासनीदवीधापि नगीसंवनाडा ॥ १२२ ॥ मागा **रुवरी** ॥ नमामिशीलनी
कामसर्वउयमुखपरकुजम कवर्पू २ दहितवामानतनीलमिकवर्पूपति
वकुडिलावना ॥ ॥ रुनाहं ॥ हंरुताआहंआ १ २ उगकइकुनकुलन
विनाशनपुतमामिवजसत्रस्वकि २ पुहामधवृद्धिदायमोमिविकुक्तिसंपुदा ॥ रुना
हं ॥ ॥ नमामिशीलनीकमलधना कृपात्रकहिसंयकन २ वामकुजस्वरुप

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२३ ॥

पत्रनिवासनलवकुक्षमित्रा ॥ ॥ नमामि शीतकूर्जपमिहिरुचंदासनविश्वयापि ना
२ नलमवूटनकृत्त मित्रसा सुकललाकासुखदायनी ॥ ॥ नमामि शीतपुल्यानि दापो
नवयोवदिददवला २ विविः ॥ धिमलाग्नममिहिरुचं नमस्तु २ विवङ्ग्यनी
॥ १२२ ॥ गगा ॥ नाट ॥ विरुवन ॥ लाकवागीन्यमाह २ सर्वपूजागमस्तु मला
हं ॥ ॥ श्रीगुलपुष्पानसर्वहता ॥ अहं २ जगत्विद्यामयं नृपसुसिद्धाहं ॥ ॥ अहंवाताम
हं वृक्षायोवनाहं २ यनेवहतामाकतनेव नृपाहं ॥ ॥ कविद्विद्विद्विद्विद्विनी नृपय
दाहं २ सस्त्रानमित्यसर्वयापीन्यमाहं ॥ ॥ अहमनृत्पत्यहानवृद्धिददासाहं २ जगज्ज

५५

कं२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२४ ॥

सपठगत्ताधोआनंदाहं ॥ १२४ ॥ गगा ॥ नाट ॥ कवर्त्तनृपलाक ककर्त्तसुखविद्या २ विमल
निर्गजनआसमकविगुहं ॥ ॥ नावयीपविना नजसुसंयाग २ खड्गउत्पल कनकसू
ददहावी ॥ ॥ अहामनिर्मनावज अहानुद्धपुत्रकि २ अहानुद्धमयं ॥ अहं नहं सोः
खारुसवयी ॥ ॥ अहानाः ॥ अहं हयमहासूत्रमाहर्त २ यागिनीयागम
कनगागमूरुमी ॥ ॥ पूजाप ॥ नावविविधेनित्यैह्यपुव्वरु २ लापसुसम
यंगुहं ॥ अहकसुखावहं ॥ १२५ ॥ गगा ॥ कामाठ ॥ पुल्यानि दपदागवाकाक २ निम
वर्त्तुकागपिंगलकुटा ॥ ॥ नमामि श्रीकजटि विजगत्तमहिता २ अद्विसिद्धिदाता

शाम्भु २

नामो भगवते वासुदेवाय

१२५

१२६

निरुवरुयह नत्मा ॥ ॥ दहिन खड्ग सनवड कर्हि ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ कृपुवर्तुन नूना
 व्यापुवर्मवकुष्वर्तुलैवाटला ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ कृपुवर्तुन नूना
 पंधमा ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ कृपुवर्तुन नूना
 दशकुडवले ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ कृपुवर्तुन नूना
 नादी अलिंगल नावयिना ॥ ॥ ॥ ॥
 नी ॥ ॥ कायवाक विरुवड ककिनी ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ कृपुवर्तुन नूना
 विननाया ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ कृपुवर्तुन नूना

१२५

१२७

वर्तुलैवाटला ॥ ॥ दहिन खड्ग सनवड कर्हि ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ कृपुवर्तुन नूना
 कजरी उगल जेननी ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ कृपुवर्तुन नूना
 पुदायनी ॥ ॥ ॥ ॥
 बल विरुषि रणीव नूडन नमि ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ कृपुवर्तुन नूना
 लकठिमल्लमरुवा ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ कृपुवर्तुन नूना
 नी ॥ ॥ ॥ ॥
 त्रिया नकु विमाह ध्यापिता ॥ १२५ ॥ माग ॥ **वसक** ॥ कृपुवर्तुन नूना

अष्टवक्राणि ॥ १२८

वीजकृष्णार्द्धमाहर्द्धदशनीलहविमनकूपीकवर्णीया सपदनास्पृकयं वासनजा ॥ ५ ॥ नः
मामिआत्रिदायीमहासम्भवावजवादीगून्त्याकनूताखन २ शीषत उर्द्धवर्तगर्भनिरावि
ववजीर्द्धदृष्टसपुत्रुजा ॥ ॥ प्रथमपूटवज्जीकुलनामापतिसोत्रअकिनीव
जदाकादि २ द्वितीयआकाशवायु मदनीसूकिनत्रीयागिनीगवाकाना ॥ ॥ रु
नायवर्त्तन अगिजलहादवीवदकरुसूकयादिधृता २ वरुमसुवतु विरुवाग्नयनागी
अमीत्यधूकवउसनाथा ॥ ॥ नरुउसदमुवाधिसत्ववृत्ता बालधाउहा विर्द्धिहाकम्भ
मना २ दाकार्वमगुलपुदकित्तगुनूपादगिर्वाधूत उँकालवजा ॥ १२८ ॥ नाग ॥ नम

जग

१२९
अष्टवक्राणि ॥ १२९

वनी ॥ लंवाकर्णलंवादलुतितयना २ कगिग्ललाकमसिंभनरुवन ॥ ५ ॥ कनाहँहँ २ कनाक क
हँहँ ॥ ॥ वायलनउमहाधपनगुधना २ रुऊमूनअकसूठधना ॥ ॥ ऊमूनिहूक
निमाहनिआकर्षती २ आदिअककल्यानकमध्वनी ॥ ॥ स्वर्गमत्यायानात्रिउवनव
ना २ गतपतिपूजियानसर्वका र्यसिद्धि ॥ १२९ ॥ नाग ॥ पंचम ॥ अष्टवक्राणी अ
हृपातकान २ अष्टयागिनीवच न ॥ ५ ॥ सिनससिंभनाकअलरूना २ दवीप
मादनमाकमार्ग ॥ ॥ नमसत्वअधिगपातकार्नी २ गुनूवाकनआगार्ध ॥ ॥ वनर्वस
मातुगत्वरुलद २ कवृद्धिद विरुनागरुलद ॥ ॥ कत्वमिलसिसिद्धिरुलपुसाद २ ऊ

२६ लिपिपत्र ॥ १३२

मङ्गलगीतविनामिनीमर्त ॥ १३१ ॥ नाग ॥ **रास** ॥ कूलिगपमरुदजितभाकुवीर्ज निमू
पमधर्मधातुनूप २ पर्वसहानपर्वजितभाकुर्कधासर्ववृद्धालयनूप ॥ **कु** ॥ नमामिगीतामि
घटवज्रधातुवापिका २ अमनग **दवासूत्रसविता** ॥ ॥ जगत्वापिकितुवः
नेकनूपरुल्लयिपर्वकथागत २ **युतुनवतुपत्रिमधितमधुलाविदिगतामाद**
वीमधुता ॥ ॥ **षाउगयाधिसत्त्ववतुमातृदसदसुखस्वकथागतनूपधना २ पुतमा**
मिवजसत्त्वकितुवननमिकर्ममन्त्रिषापत्रिसिद्धि ॥ ॥ **गीतामम्वनपर्वजकिनीद**
वीपर्ववर्क २ नमामिगीता २ नमामिहानवमी कितुवनतननी अमनगमाद्विसिद्धिवन

५४

२६ लिपिपत्र ॥ १३३

पदायनी ॥ १३२ ॥ नाग ॥ **मलाद** ॥ पातनकातनमन्त्राधियान २ सिद्धायागीर्वधुदरुनन
उदव ॥ **कु** ॥ नमामिगीतेलाकन्यमकितुवननाथा २ कन्यमयजगतउदामती ॥
हमिदमवका २ उदिदिगवाला २ नागयकगतवैदितवमला ॥ ॥ **कुम्भसूत्रकपा**
पदमला २ **याधिमिडइश्वर** **हमला** ॥ **सूत्रवकितुवनधर्मगुवलाशी**
लाकन्यमङ्गलमङ्गलमङ्गल ॥ ॥ १३३ ॥ नाग ॥ **मजिगी** ॥ **ताल** ॥ **द्वदमा** ॥ **सूत्र**
निर्मजतपत्रमपुतु २ न्यमायसहाव २ लावहवियसहावजानामिमियिजीव ॥ **कु** ॥
नयूतवनउनिर्वातकहि २ रुसासहासहवर्क २ लावहवियसापत्रसाहयिकर्क ॥ ॥

विश्वरूप ॥ १३५

अथ नमः कुविर्जया नास विंदन विरु २५ कृपाय नमः सहा नादिना विरु ॥ जिमपति
 विंद सहावज निनिता वयिमत सहा २ सत्त निर्वजन पत्रमपुहु नात ०० पूत्त नपाड ॥ जिम
 जम मूर्वंड सहि नासा स्वचुनिम ६२ निनिता मल्लवक्क जतनय सहाव स्वचु ॥ १३४ ॥
 नाग ॥ ललित ॥ गाल ॥ जटि ॥ वि ॥ रुवका खाल हवी जसं जाता न नीलवज वंधि न
 पूत्री लपी ० २ खगुक पाता १ दिवी मं पुर्व जया संपट नीलव वृव वहा ० ०
 निस्वहिता ॥ ५ ॥ नमनाथ रुक्म जिन रुवन म्भन दगदिग सिद्ध रुवा रुमक मती ॥ ॥
 वाकवजा खान माका मा रुवा म्भन काम मूपी ० खला वम रुपा दिवी मं २ सहाव त्यादि स्या

५२

पुर्वदिगपति ॥ १३५

ग. नका भावद ना रुवक पवृख दोग उम न्भामिता ॥ कायवजा खान उं रुव वृव वज वद पी
 ० पुत परिमदाव लादि २ वज वग यालिगित रुकां गुव वृव उज जरा हं २ गुष वृव हो ना
 लंकता ॥ ॥ वव विं गकियो ० ० म्भन पुव रुया लिगित जि रुवन कं पित्तिया त सिद्धा २ ५
 नि सवी मदवी उक खला वी गन म. रुत यिणी कू लिग नील पुम दात ॥ १३५ ॥
 नाग ॥ कामा ॥ गाल ॥ षट्काम ॥ पुर्वदिगपति अती नील वृम २ पुव रुया म्भनिका
 कवदना ॥ ॥ उरु गाधि पति हजित वृम २ उम का न नली म य रु रु य रु म्भनी ॥ ॥ पन्नः
 गाधि पति ला काम म्भन वृम २ नाग रु य रु म्भन वदना ॥ ॥ यमपति द्या मं गो म्भन वृम २

२८५॥ मन्त्रोक्तः ॥ १३९

काला ॥ ॐ वयमहयह नदी ॥ ॥ धनजयपतिनी लयी काला शक्तिरुयवधनमहाकाधवदन
 ॥ ॥ या रुध्रान्धनमहाकाधसहयह नदी शयी काला मूलवरी काला लवदन ॥ ॥ मातृकाधियति
 लाहिक ॥ मा शवातामिनाशन दुः
 काधवदन हविनी लाला ॥ ॥
 लिंगम ॥ श्रीवक्रसंयत्रप ॥ दः
 ॥ काल ॥ ॥ मप ॥ समामि ॥ श्रीरुद्रकवीमात्रदुःखत्रयविश्वकलिनजटा ॥ प्रश्नवक्रकपाला
 लंकक ॥ लिकनवरीखक ॥ ॥ ॥ कनाहं ॥ समयत्रयियापितकमूला मयस्तु उद्वनदी

50

॥ सावित्री ॥

[illegible]

सर्वज्ञान ॥ ३२

काजवमसाक कर्न २ द द यिथ पुसा त्रिलसा म विदा म द त्वा व क ली व द ली य र मूर्ख ॥
विश्वक ड पैं क डिलता गार्ही ख (हा व म सा हिय ना द व ली २ कलिन कूलि हा घ नृ मृ ड क म
द्वि तु ऊ ह नू क आ लि ग द नी न विर्य ॥ ॥ समल समदा म द वा धिय ना द यि
ना द क र्म ग न समल कु व २ अ व धू व प यि म यि स द ऊ पी स व न अ नी ल न र्म
ग न लिन ग ति ॥ १२८ ॥ ना ग ॥ का भा उ ॥ ताल ॥ म प ॥ सर्वा य म का ना वि का वि का न रु लि
या उ म ति त्रि का न २ सर्व नि नू ष ति पू ज न पू जिक डि म ऊ ल र्च ड माल ॥ ५ ॥ रु ऊ कु व ऊ
क वा नि म यि प मि सा हिय व लि या न २ पैं वा मि य न स कू लि हा उ ला ना हा (ग द द न

७१

अवज्ञान ॥ १६०

पैं व सा न ॥ ॥ उं अ ४ हूं रु क मि या उ न वि य स म य म पी धि २ व न न स ल न सी दा ना न
अ द य मा न क नू रु नि ॥ ॥ रुं ड य म ऊ ल य ना न रु न व दि वा य ना ना न २ र्च ड सूर्य ड
यि वा धा न ताल पा ताल अ रु ना ग म ॥ ॥ रुं ड व लि रु ऊ डि या न रु ल धू प मी म सा हि
या न २ ना नि रु रु रु रु ग म ना न दान प ति सर्व का र्य सि धि ॥ ॥ क र्पू पा व लि अ
धि ष्ठा ना न वा नि व व रु य हं ग ॥ ॥ २ ना जा दान प ति स रु लि वा ना न सु य न स न
आ ना ग म ॥ १२९ ॥ ना ग ॥ क न दि ॥ अ व जा स न सि रु प ना रु र्च २ स ना ऊ न न य न पा क
क र्द ॥ ५ ॥ नि र्वा प ल मा मि श्री रु ला वा ना र्थ २ इ र्ग ति रु य रु म र्च सु ग न ग ति द र्द ॥ ॥

स १

स २

॥ १४१ ॥

दहिनवमक नावा मक मलधमा २ नमकां इडिक सत्त्व मुखपनिहं ॥ वीमंडं स्वरि
 क जटायक २ अमिताभ मोली नै जिनहनयं ॥ ॥ य (गय) गहा मल श्री वृग म न ला
 क न्यम २ गा व कि जल व ड म ३ किला रु रु तु ना ॥ १४० ॥ नागा ॥ क न दि ॥ व
 मूड पू स्क न य म रि द ल स जा ना २ ह का न म र व न क व रू द हा ॥ ५ ॥ न मा
 मि २ श्री ने नात्मा द वी २ रि रु व न या पि त रु ग रु उ का मी ॥ ॥ द हिन क न रि ध ना वा म व
 द्वां ग २ क पा ला व डि क रु ल क रि गी व मू तु मा ला ॥ ॥ वा हि न व रु ना द वी म ह न्य मि
 म न्य २ ना ना वा ग म ति ती न ॥ ॥ द हिन रु न व द व वा म वा रु कि सु र्व द वि द व ग ल पू

॥ १४१ ॥

५२

॥ १४२ ॥

जिना ॥ ॥ रु न यी मू नी ड व ड गी रु व न न २ रु न रु न मा रु प द व न द वी प सा दा ॥ ॥
 ॥ १४१ ॥ नागा ॥ का मा उ ॥ का का न न हि मी ग ना ल व रू हा स व रु म नू क रि द धा नै २००
 रु न रु पा रु ख द्वां ग र्प व पा च्छा वा न रि रु प त्या ली रु व न ती ॥ ॥ उ लू का ना या ली ग यो
 म व रू हा द रि ल य त क क रि द धा नै २ वा म पा रु ख द्वां ग ना उ दि र्व ज न रि रु
 रु प त्या ली रु प दा ति ॥ ॥ ग य ॥ ना न न हि मी ग न रु व रू हा स व रु य न क क रि
 द धा नै २ रु न रु पा रु ख द्वां ग वा ल अ प रि द्वा न रि रु प त्या ली रु व न ती ॥ ॥ रु क ना
 न न धा मी ग पी रु व रू हा स व रु द म नू क रि द धा नै २ वा म पा रु ख द्वां ग रू पू अ पा रि द्वा

१५५२
१५५३
१५५४
१५५५

नसिद्धपत्न्यालीटपदायि॥ ॥ त्रिभुवननाथसूत्रनवर्वणावदवदनाशितकसूत्राशुशुद्धा
दक्षकुजापटमूर्धांगवकुसुमसिद्धिआश्रितवत्त॥ १४२॥ नाग॥ **नाट**॥ पद्मानयत्रि
ॐ द्रुमकुलासनसु२सुचक्रवत्तदवामपद्मधनै॥ ५॥ नमामिश्री
लोकनाथ२सुमितारुजिलधृतउदामकूट॥ ॥ ॐ इकाटिसुनिर्मल
सर्वलकृष्टसंपूर्ण२हिमकवकाटिसमधवमसुदह॥ ॥ रुवसमसमलवसर्व
वस्वराव२नवकगतिगगादुर्गमाकवलदायक॥ ॥ सुनासूत्रनयत्रिकापितान्दित
२रुनयिणीमहासुखवकुवत्रिगा॥ १४३॥ नाग॥ **नाट**॥ मूलमलमलमाप्रअष्टनव

५२

१५५६
१५५७
१५५८
१५५९

कुं२नत्रपिअत्यत्रिललितासनसिद्धि॥ ५॥ नमामिश्रानिनीदवी२धनकासुतवि
यकमहासव॥ ॥ मूलमसुखनूपीप्रहसितवदनी२गोनवदनीहिमायतसुदना
पुयाकनीगत्रलक्षत्रिपाति२वृक्षसासनसिद्धिसर्वकामार्थसाधनी॥ त्रिभुवनना
थिनीउगकउद्धात्रिती२रुनयिणीमहासुखवकुगीरगावयी॥ १४४॥ नाग॥
नवि॥ नमामिश्रीदात्रिनीमहायकतीदवी२पैवधनपुरुपत्रिवानाऊन
नीदवी॥ ॥ नमामिश्रपइत्रिमासकिदवी२ऊगकसुमानपत्रिवालिका॥ ॥ नमामि
श्रीसूर्यधनदवविजया॥ त्रिगा२द्वदगवर्वपुरुषोपादित्रिवात्रिगा॥ ॥ नमामि२

अंगनिकनूष॥ १६७

श्रीवृक्षनामहिरुनीदवीशधर्मधुपमिवात्रिकनित्यनित्ययति॥ ॥ नमामिश्रीमंशुवज
लगीतचमिताशुपुलामामिश्रीपडनीदवीअक्षिसिद्धिदहिम॥ १४५ ॥ आगा॥ **मधुम** ॥ अ
गनिकनूषविदानतदवावि प्राककमहाकाधमायाशसूननननामयकग
तर्वदिकदवगल्लयत्रुवन व्यापिका॥ ॥ नमामिश्रीगतापकितनल्लम ५४
द्विसिद्धिवलदायकाशइनिकदुनल्लगुरुमंगलकामल्लसर्वमनसंवाविका॥ ॥
गऊमुखवितिनयनल्लवाकर्तुवन्नल्लवादल्लनृत्याधिपकिशतंदवपदअतिल्लावद
ल्लनूवर्तुमहाकला॥ ॥ नल्लारुनल्लविरुधितददापापननादयिताअथशकचुपा

विचकमलापि॥ १४८

गित्रिवमनिवासिकगतापकिविविधधुगुरुल्लल्लिका॥ ॥ ऊनमशमानुंशपायशव
ल्लअलिमकसूखरुल्लदायकाशसकगुनूवन्नतसिनंगतधमियागभवकिमहजानंदगी
ता॥ १४६ ॥ आगा॥ **पंचम** ॥ विचकमलापिमित्रविमलुल्लहंकात्रसंजाकखर्वल्लवादन
शुपुतामूडचूरुवटिल्लरूजिक हयानर्ककाधधिपवीववीनय्वर्न॥ ५ ॥ नमा
मिश्रीमहाकालपदाककअ हिमकसर्वसूखसिद्धिवनदायकंशद्विउऊ
उकमुखनीलवर्तुडिनरुपिंल्लकर्मअकस्यमदटं॥ ॥ दहिनवऊकरिवाभमंक
पालखडांगधर्ममहाकालीआलिंगल्लशपन्नगहमल्लयापुवर्मनिवाप्तनंमल्लुमाल्ला

विष्णुसंगीत ॥ १४८

ननु यामविहृषितं ॥ कालीकमालीवलालीवमग्रीसगतमधुलमाप्यपुहलितसिद्धिर्दृश्यं
यमूडाहृषितपैव ॥ त्रिसूक्तानपैवामृतनससदापानं ॥ ऊनऊनमृत्युरुवरुयहन
लपातुवधीवजमहाकाल २ स ॥ तगुनूवमलकमलपुसादं गावकिणीमदासुख
वजगीता ॥ १४८ ॥ भाग ॥ **गुरु** ॥ **नमालजि** ॥ विष्णुसंगीतमधुलहृदी
ऊनरुवधीरुनूक २ रुनवकात्याकाकलीरुहासमं गतमतित्रैजितवजलयगी ॥ ३ ॥
रुनाहृहृ २ रुनाकंरुहृहृहृ ॥ ॥ गोत्रवर्णकान्थातिनरुद्विउजसव्यकनवजवाम
यधु २ वजवामादीपुहागाधालिगतीसिद्धिजनंदमृतिधमा ॥ ॥ विष्णुवजाहृवद

५५

मदिनिम ॥ १४८

ऊयमदृष्टाअरुमलसूसाहिता २ षडुहिमूडाघत्यामसिताविगुद्विळ्ळुकाटिइहिवकुम
॥ ॥ शकिनीमामाखपुमादमृपितीवउदिगहृ २ वाधिविरामृतलातुवदका
॥ ॥ पृमीनादिकलनाकपी० वासी २ पुर्वेअदिशकिनीमदत्रिती ॥ ॥ दानादि
काकाननकात्यादियमशकिनीः ॥ सवासामवसवासिनी २ सगुनूवमलकम
लपुसादं गावकिमदासुखवज ॥ गीता ॥ १४८ ॥ भाग ॥ **गन्ध** **त्रहेवदी** ॥ मदिनी
मधुलसिद्धिजनमृविर्ल २ वदमानाकाकसूसाहिरुवीर्न ॥ ३ ॥ नमामिधीर्वउमहा
माघतवीर्न २ रुवरुयइ ४ खनागनसुवीर्न ॥ ॥ विविधारुमलहृषितदिवसमोली

२५०
॥ १५० ॥

नं३ छिनयनहीषमवदनं सुनलनीलं ॥ जगत्तुष्टिं तुरुलदायकं अखिलं शब्दवाः
सुननजर्वदितवजलं ॥ सकलमूवजलवदितसूत्रं २ गवन्निमूनिभायीगीतसू
सात्रं ॥ १४८ ॥ जाग ॥ **कामा ३ ॥** ॥ हे कामसूरुवहृष्ट ॥ सागीतयनदनात्यवि
तांदवकार्यं २ नीलपीतनकरु ॥ निरुहंगमूनिदमवदनं छिनिनयनं ॥ ॥
नमामिपीह सकताभंदवा सुनननपूजितवजलं ॥ ॥ आलिकालिइयी आलिदावि
हेमवकालीमात्रसूदनं २ घटसफरुजासखसिद्धधरीदयालीगतपुहलितुसिनी
नरसूमालागीवलंकनापठसूडापठविरूपता २ वकिमिलविश्ववजार्धवडं रुदा

॥ १५० ॥

मकूटधर्मवीरं ॥ रुवडखरुनलं जगत्तुष्टिं जन्मजन्मामृत्युरुयविनाशनं २ रुवपद
पद्मवदनमलसिद्धिवहृवलं माकुरुलदं ॥ १५० ॥ जाग ॥ **कामा ३ ॥** ॥ छिनुवनज
ननी छिनुवनहृनि २ छिनुवननवीवडवहृध्वीध्वी ॥ ॥ ॥ पलमयादीवूजपीवडया
गिनी २ सुनननदनुजं डलपू ॥ जितवजलं ॥ ॥ सुननवीवडुमानदसूत्र
पिती २ मताकयागिसूत्रिनी ॥ सिनी ॥ ॥ सकलइहकनीविनाशकारिनी २
सर्वविद्यागडखविप्रविधुसनी ॥ ॥ ससात्रसागनाहृवहृवपादनी २ अनरुमाकदा
यनी अहीर्षतामली ॥ ॥ कामनीकामनूयीविश्वनूयी २ रुताककात्रिती ॥ सर्वसिद्धि

वाकलिर

१५२
१५३
१५४
१५५
१५६
१५७
१५८
१५९
१६०
१६१
१६२
१६३
१६४
१६५
१६६
१६७
१६८
१६९
१७०
१७१
१७२
१७३
१७४
१७५
१७६
१७७
१७८
१७९
१८०
१८१
१८२
१८३
१८४
१८५
१८६
१८७
१८८
१८९
१९०
१९१
१९२
१९३
१९४
१९५
१९६
१९७
१९८
१९९
२००

दायनी ॥ यदा रुममिष्टि संपददायनी २ मदासुख वरुणी गीतगावयी ॥ १५१ ॥ नागा ॥ म
 लाठ ॥ कमलकुलिहमाज्य रुडिआ गियाडि २ समता जायि कुलयिचकुली ॥ ॥ काई ॥
 विघननयिलहिअगि २ म ॥ मधनहीलीलयिमिचकुमागि ॥ ॥ नोचवजा ॥
 माधुमनेदीसयी २ म मूगिषल ॥ यपिगखया नययिगयी ॥ ॥ दाधपिहानि ॥ ५१
 रुनवुका रुमाडा २ दाधयिनी तो गुलमासनयाला ॥ ॥ रुनयिधमा रुडनरुड जानी
 २ पाताजात्र उधिगनपाति ॥ १५२ ॥ नागा ॥ मलाठ ॥ विघनकमला परिविधुर्विवा २ डी
 काजसी गातलवाकनदहा ॥ ५ ॥ नमामिडी रुननाथवसुधा मालिनी गा २ सर्वासापनि

द्विहुज

१५५
१५६
१५७
१५८
१५९
१६०
१६१
१६२
१६३
१६४
१६५
१६६
१६७
१६८
१६९
१७०
१७१
१७२
१७३
१७४
१७५
१७६
१७७
१७८
१७९
१८०
१८१
१८२
१८३
१८४
१८५
१८६
१८७
१८८
१८९
१९०
१९१
१९२
१९३
१९४
१९५
१९६
१९७
१९८
१९९
२००

पूजयत्रलादिदहिम ॥ ॥ रुमवर्तुत नूदिव्यालैरुगा २ रुकमूखडननलर्मजलिसाहि
 गा ॥ ॥ सव्यकनलनलनधमि साहिक २ वासवनकनलतकुलसाहिगा ॥ १५२ ॥ ना
 गा ॥ **नामकवि** ॥ यदावडासनसुवेडकाटी सुनिर्मलै सव्यकनवलदे वासपदधन २
 यदकला रुवै नार्थ सर्वहमो ॥ लिने वासिग रुवकुमाजिल रुदाधमा ॥ ५ ॥ न
 मासि २ श्रीलाकनममगुले ॥ श्रीअसापांकुगि २ दहिनी गीआर्यतामासु
 धनकमाने वास रुकटि रुयगी वासिगा ॥ ॥ पर्वशी मेरुयनागा पूषावलपुदं किनि
 गरुकिनसे वास रुयपदं २ वजपातिगुका रुवजा रुवलपुदं समकरुडनलात्यनव

२ विजयविमलय ॥ १५५

सुसुखा ॥ ॥ धूपादिचतुर्दशाय चतुर्दशी वडा कूभादि द्वात्रिंशतीला कथनमनुलाघने २
सर्वकर्मनाशिका कवपूरु मना नथरुनयी महासुखवजगीत ॥ १५४ ॥ नागा ॥ **नामक**
मि ॥ विजयननाथ श्रीसूर्यरु ॥ वेत्यनाऊ नागवासा नूवमा मसिनाल २ द
गगतदलनलकमलकनि ॥ काह नकमनात्यमिसमूहवी ॥ ॥ नमामि
२ श्रीधर्मधुवागी चर्न दवा सुनन नर्वदिता चर्न २ जना जात मृत्युद्वितह नदी विरु
वना नंदका नकी ॥ ॥ मणिल महाविष्णु जिनात्मज मेश्री सर्वहृदना नूवपात्रित २
रुजागता काली कदवडदा संधुदित सकत स्वयं रुद्रिसमयावित ॥ ॥ मश्री पृष्ठा

५६

२ विजयविमलय ॥ १५५

गतामा रुक नधर्मनेपाल नाऊ पनन पतिकुत २ गुनवा कभिलंधनाऊ नमि (थे स्वयं रु
सवित विषयानंदका नकी ॥ ॥ विषयलोभाधियदव पर्वदने पागा ना स्वयं रुम
विनाऊ सु २ पसाठि मेश्री पसायन रुत मश्री नामा वायं पुका मिता ॥ ॥ श्रीस्व
यं रु गुपिकुत मूर्त पंचपूरी हा ॥ श्री श्री महाकाल स्तुपि न २ वसुपून वसुधा
ना वकि पूनरुता सने वायु पून ॥ अतिमाधियगाधिता ॥ ॥ नाग पून ना वरु
मकि पून उकार वमगुल स्वयं रु पूजिताऊ सु २ रुनकि रुगति महासुखवजगीत म
हास्व श्री स्वयं रु गीत ववित ॥ १५५ ॥ नागा ॥ **नामक मी** ॥ विजयविमलय मना हन रु

२८ मित्रक मल ॥ १५०

वहुनवववमरिया २दाडिं वकसूमसं काअसत्रिया अनूपमउजवउमरिया ॥ ५ ॥
वामकनाटक दहिनकनवड नयमदूरुशिया २वसूनिदूमिया न विनाहिनवाग
नमामित्रीविद्याधनिदवीरुनी या ॥ ॥सूर्यमधुनमाम्पउदियात्रधिकिमि
मसैहावधिकिया २कनूनसहा वपिपयिनिथिथनमयनउउमत्रिया ॥ ॥
अधिनिथिगहायिन इइनूअवखवअत्रिकात्रिया २सरुजानंदमहासूखरुमि वूखज
किनीनयकात्री ॥ ॥कनूतमहानस जिउवनरुनीया हावाहावनदायिया २आदिन
अनूननिनूपमजान पुतमामिसूवत्रितरुनयिया ॥ १५७ ॥ नाग ॥ **विकास** ॥ हजितकर

मलापमित्रविमलमपुला २ माऊकात्याग्रिमाम्बवदनहृदययिया ॥ ७ ॥ नीललाहिरवीः
रुमिरवदना २ ऊरामकूटवज्रमलिवज्ररूपम् ॥ ॥ श्रीवक्त्रपुतिमूर्खविश्वपायाकदि
ता २ जिनपुतिमोलीजिनकनकाहिता ॥ ॥ दहिनवजासि किमूलकहिवालीकूटी २
उममूमूलवक्त्रकूटहृदकूट
धनूपाभनत्वयममोखवलद
जिनगतविद्यावाधिसत्वसहिता ॥ ॥ ऊधनाऊडकिमारुगतसूनासूत्रे २ ००० उयमाः
दिगतपतिगुहा ॥ ॥ नगनेरुकरुकाटिगतवृता २ पुतमानिवक्त्रमयीकोलवर्ज ॥

सहस्रनाम ॥ १५८

॥ १५७ ॥ गंगा ॥ **रास** ॥ सहस्रदलमाया कति नूपयुद्धयुद्धमत्थना तावत्सुम २ जलपूषः
उत्पलकसूदककालथलपूषकसुगुवा निजात ॥ ५ ॥ नमामि ग्रीधर्मधातु शिखरनेना
आगपुष्टुगिनिपूषकुरु २ स ॥ **वदवा** सुनवेदिकवमल अतगवीष्टिकसि
द्विप्रभादा ॥ ॥ **दुर्मवा** धिवा ॥ **का** कमात्रवैपक अतगवृकुरुल्लाहिका
२ अरुधातु अरुधमवयागिनी अतगरुणादि कुरुपाल ॥ ॥ पूर्वदक्षिणपश्चिमउ
रुमनीलपीतमकुदमिता २ पंचजिनपंचस्तनस्वपुष्यकुनमूर्ति ॥ ॥ पंचपुत्रि
शीमाकिपुनम्वन अतगमद्विसिद्धिप्रभादा २ रुतयिनी सिद्धिवर्जवज्रिकगीता ऊचा

१०

सहस्रनाम ॥ १५८

कुंरुमात्रपदाता ॥ १५८ ॥ गंगा ॥ **नलिन** ॥ षट्कुजचकमूरवरुदघटधामीः धाममञ्ज
लीपूरकवाम २ निविदतनमत्रवर्द्ध सर्वजिनवर्द्धिर्ग ॥ ५ ॥ नमा ग्रीवसूधमादवी
मत्तारुमलरूपिर्ग २ कनकवर्णमलमकूटामतिललिसर्नदत्रिदहवती ॥ ॥ उर्ध्व
मथगनदक्षिणलाकं न्यमवा ॥ **मवज** पाति ॥ लादवी २ ऊमृजल्लदनी
वर्णवामवर्णगुक्कवर्ण ॥ ॥ **विवि** क्तुलीकैलिमालीनी मूर्खेडगुरुधामी
वामवर्ण २ ऊजपनादिहर्षवकुनदवी ॥ ॥ पूर्वमालिरुददक्षिणपूर्वरुदपश्चिम
धर्नदावेषवच २ गुफासुगुफासनस्वनीदवी र्खेडकाकमात्रदाता ॥ १५८ ॥ गंगा ॥

۹۹

॥ १७२ ॥

[illegible]

मकटविश्ववज्ररुक्मसूत्रैवद्वयं॥ ॥सव्यकवज्ररुक्मसूत्रैवद्वयं॥ ॥सव्यकवज्ररुक्मसूत्रैवद्वयं॥
 जालिधपदं॥ ॥रुक्मसूत्रैवद्वयं॥ ॥रुक्मसूत्रैवद्वयं॥ ॥रुक्मसूत्रैवद्वयं॥
 ॥सविमिद्विमहामुद्रासिद्धिः॥ ॥६॥याग॥कनदि॥नीलकण्ठकान्तप्रकाश
 र्त्तिकनरुद्ररुद्रपिंगलकठ
 नटिकयानधनाशुगकभक्त
 लिगद्यसमाधिश्चादभक्तकनारुद्रविद्या॥ ॥रुद्रविद्याविद्याविद्या॥
 ॥रुद्रविद्याविद्याविद्या॥ ॥रुद्रविद्याविद्याविद्या॥ ॥रुद्रविद्याविद्याविद्या॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

पयि च उच्यते ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ० ॥ ॥ आगा ॥ कर्त्तारि ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तसमस्त
रक्तकालसमस्तवृद्धिदत्तहा ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तसमस्त
वृद्धि ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥
॥ प्रथमस्तुतयः ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥
॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥
॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥
॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥ विष्णुसर्वावृद्धिदत्तहा ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥





ॐ ० ० ०

काकु
हि ०

ॐ मुख

० धमगु

० खया
कत पाउ

नका
नखा ०



वला
०

ॐ ० ० ०

ककु
०

ॐ

१ विष्णुसमाप्ति ॥ १
२ सध्यामन ॥ २
३ निर्मानागो ॥ ३
४ गमदुदन ॥ ४
५ घटपाणिगो ॥ ५
६ उज्ज्वलरुद्र ॥ ६
७ अग्निमय ॥ ७
८ अनुरन ॥ ८
९ नरुवर्ग ॥ ९
१० नमश्च ॥ १०
११ विवक्र ॥ ११
१२ वीरमण ॥ १२
१३ विनिमो ॥ १३
१४ कालिगवजानन ॥ १४
१५ कोनावध ॥ १५
१६ सवर्धक ॥ १६
१७ विजयनकालिग ॥ १७
१८ सज्जनम ॥ १८
१९ विरुज ॥ १९
२० विविनेवि ॥ २०

१ उदिता ॥ २१
 २ उदिता पद्य ॥ २२
 ३ उय्यावृत्ति ॥ २३
 ४ उदिता ॥ २४
 ५ अवनिनिदिता मजा ॥ २५
 ६ अवनिनिदिता मजा ॥ २६
 ७ अवनिनिदिता मजा ॥ २७
 ८ अवनिनिदिता मजा ॥ २८
 ९ अवनिनिदिता मजा ॥ २९
 १० अवनिनिदिता मजा ॥ ३०
 ११ अवनिनिदिता मजा ॥ ३१
 १२ अवनिनिदिता मजा ॥ ३२
 १३ अवनिनिदिता मजा ॥ ३३
 १४ अवनिनिदिता मजा ॥ ३४
 १५ अवनिनिदिता मजा ॥ ३५
 १६ अवनिनिदिता मजा ॥ ३६
 १७ अवनिनिदिता मजा ॥ ३७
 १८ अवनिनिदिता मजा ॥ ३८
 १९ अवनिनिदिता मजा ॥ ३९
 २० अवनिनिदिता मजा ॥ ४०

१ उदिता ॥ ४१
 २ उदिता ॥ ४२
 ३ उदिता ॥ ४३
 ४ उदिता ॥ ४४
 ५ उदिता ॥ ४५
 ६ उदिता ॥ ४६
 ७ उदिता ॥ ४७
 ८ उदिता ॥ ४८
 ९ उदिता ॥ ४९
 १० उदिता ॥ ५०
 ११ उदिता ॥ ५१
 १२ उदिता ॥ ५२
 १३ उदिता ॥ ५३
 १४ उदिता ॥ ५४
 १५ उदिता ॥ ५५
 १६ उदिता ॥ ५६
 १७ उदिता ॥ ५७
 १८ उदिता ॥ ५८
 १९ उदिता ॥ ५९
 २० उदिता ॥ ६०

१ निरुजुव ॥ ५१
 १ कवभ ॥ ५२
 १ सकलजग ॥ ५३
 १ हवीजसंरुव ॥ ५४
 १ सरुजसंरुव ॥ ५५
 १ अवीजसंरुव ॥ ५६
 १ डिजुज ॥ ५७
 १ यवाकाका ॥ ५८
 १ वावादिवादिग ॥ ५९
 १ लखन ॥ ६०
 १ नमामिदडिनअडु ॥ ६१
 १ कनक वधु ॥ ६२
 १ लमादि ॥ ६३
 १ हविनि ॥ ६४
 १ वडगसमन ॥ ६५
 १ धर्मागमो ॥ ६६
 १ अखयनिर्मडन ॥ ६७
 १ मायाजाल ॥ ६८
 १ कात्यादि ॥ ६९
 १ श्रीहवजनेमाका ६०

१ दिनमलिसमुत्त ॥ ८१
 १ उदयागिनि ॥ ८२
 १ उयाविआन ॥ ८३
 १ षाउमजुज ॥ ८४
 १ वज्यागिनी ॥ ८५
 १ वजसमयसि ॥ ८६
 १ अनिकज ॥ ८७
 १ उखवज ॥ ८८
 १ अकावसजाग ॥ ८९
 १ निर्माकावूज ॥ ९०
 १ विविग ॥ ९१
 १ धनधन ॥ ९२
 १ वासादि ॥ ९३
 १ यनमन ॥ ९४
 १ स्रुतिमतिग ॥ ९५
 १ कायिभवेम ॥ ९६
 १ हलसिल ॥ ९७
 १ नमहिममुत्त ॥ ९८
 १ जियजिगमा ॥ ९९
 १ दवदिमीवन ॥ १००

१०३
 १०४
 १०५
 १०६
 १०७
 १०८
 १०९
 ११०
 १११
 ११२
 ११३
 ११४
 ११५
 ११६
 ११७
 ११८
 ११९
 १२०
 १२१
 १२२
 १२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

१२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

धर्मगानि

सिद्धाककामयाधुनि

धलिस्सिद्धाभाह्व

वरुस्सकर्मप्रज्ञा

विधिधम

धम्ममिध्वववधुधि

कम्ममालेकी॥

धलिउत्तमाजाह

पाध्मावताववापा

कम्मोत्तमस्सकम्म

यानेमारुताजोहया

स्सवस्साविजस्सज्ज

लयायज्जमास्सोह

धम्मिउत्तमस्सयक

म्ममालेकी

उत्तमपूजागिग

सत्थमन्

अनिन

नक्तवृह

नमस्क

विचक्र

हजारुन

पाण्हिक

अरिउत्तयाइनेगिग

कान्थाःनेदिनमस्क

पूजाववाताहि

माहकउको

रहाभनगिगहाजरे

मासाभाविक्कायः

सकयराजःकनम्भा

इवयस्वनागकपूजा

आगवापूजाःआदिक्का

गालायःनन्दिनस्सान

विसत्तागवृहःगिगेमा

किःअनन्तनःवृहक

उगस्सनपिहाअयः

इगथनगिगप्रविग

तानन्तायगिगतनमस्क

गुक्कारिषकगिग

सरुजसगवृह

सरुलोजन

गिगवामादिहिन

मूजापूजाविगहाजरे

मूजागिग

गिगधनवर

विनवर्णा

गिगवकिक्कदिन

सद्यपूजा

गिगकशन

सकनग

स्वायवाहि

गिगगिहंज

मूजागाय

गिगस्सुसहाय

देवावगान

गिगसूयगिमलि

धम्मिधयाअक

मलुमउयक

गिगनिजउवः

आक

साविगनगिग

माकंवाहि

गिगसयगिग

कयिलवम

गयवक्रःलाध्वनगिग

इवियपूह

गात्रपूजा

गालायःनमस्काव

विस्ससगवृह

अनिःभन्ःगिनी

माकंहावःऊय

एविचसनाबुहयागारमक ॥ यस्याचेरुकादि. विकृत. यमपुनः सवे ४ प्रकृत. सभयान
 नयकृत्या. अधिरिलि. डि. व्यामि. ननवा. यवा. धनकलि. किनस्य. विकानन ४ प्रक
 कसुनिरि. सपा. रु. रा. वान. श्री. यम. न. य. व. न. ॥ हल. सिल. आ. ॥ आ. क. ॥ न. त्वा. स. च. क
 आ. ग. का. गु. न. रा. ध. ॥ आ. न. य. दा. थ. गु. वा. श्री. व. जा. स. न. नाम. ह. ध. क. न. सं. सा. न. दा. धा. ग्र. ह.
 १. मूल. पृ. ४. व. ल. वृ. ध. दा. द. स. स. मं. सं. सा. ल. ध. न. क. य. क. ना. ना. व. र्. ह. थ. ग. का. दि. ल. न. ना. द.
 हं. क. थ. क. थ. क. २. ॥ हं. क. द. ह. या. ॥ आ. क. ॥ का. वि. था. ऊ. ल. वी. ऊ. सं. व. य. व. लं. इ. कां. वृ. जी. धं.
 लि. का. हं. सा. नी. मि. व. र्. कि. क. न. का. रु. ख. क. या. ला. व. नि. क. था. ४ भा. द. स. ल. ना. व. न. उ. वं. प्र. प्रा. य

आवं. क. था. दि. ॥ ॥ नि. प्रा. या. दा. वि. धा. ना. ध. व. नि. क. व. स. धा. च. क. नि. स्कं. व. दं. व.
 स. ना. वा. धि. ध. दं. दि. गु. न. ऊ. ल. ध. न. व्या. फा. दि. या. द. स. इ. द. श. म्भ. व. इ. द. हं. प्र. क. ति. य. नि. ह. वं. श. उ.
 न. क. र्. ता. मा. ना. नि. त्या. व. ना. नं. ध. न. उ. रु. ग. व. कं. कां. द. वं. ह. न. क. स्य. २. ॥ काल. व. क. था. ॥
 ॥ आ. क. ॥ काल. व. कं. न. म. सु. यं. ल. ल. जि. का. ४. स. र्. न. व. य. ज. या. ध. न. विलं. का. न.
 व. कं. न. मि. हं. ॥ नि. ल. २. कि. न. ला. श. य. प्र. का. य. स. व. स. गि. नि. ह. क्का. हं. का.
 न. म. स्या. मि. प्र. का. या. य. मा. म. कि. ॥ ॥ मृ. व. ल. ॥ आ. क. ॥ मृ. व. नि. नि. हि. क. आ. न. र. व. इ. रु. क.
 व. ध. जं. कि. न. क. न. म. र्. हि. क. ऊ. नी. स. की. या. स. नि. वि. दि. ध. न. स. नि. लं. व. द. द. यं. ज. व. व. क.

ब्रूयात्मातादवनिः सदृशवदनामूर्त्तिरुक् विगुहः॥ ॥ उमहिमरुतसाः ॥ आकान
 मरुतं नमामिः नमस्कृतं स्वाहा प्रनमामि सर्वकथागरुता आत्मानं निष्कारिणामि किं वि
 कल्पयति ग्रहः ग्रहः वृषासा अ वधुग्रहः कृष्णागसहसो मिरुका याया लंपदा नाय ॥
 ॐ संसर्गार्थविप्रविमसि विदुः विविशेनः विवंधा मदयात्मकं वनगुनवद
 मूदा सर्वदा ॥ ॥ येन मनः ॥ आ ॥ लोक ॥ अविद्यांधकालसत्वाकादयादि ॥
 किं किं कालवन्किं दुःखा अनाया अगदि ॥ आयादयः अहंभवस्वयं वक्ति वृक्षस्वयं
 मरुः अहं वृक्षा महानाजा अहं विमल वलः अहं ज्ञाता महानाजा वक्रयानि नहं हृदय

नृ३

समग्रद्वयविघ्नविघ्नहन्ता वनाशीश ॥

५ ५ ५ ५

सर्वनाथगतासाकं सर्वनाथगतावयं सर्वधर्मगनेवाला दशमधुबमूरुमं ॥ १ ॥
सर्ववक्रनसंयुक्तं सर्ववक्रनवर्जितं समनकरुदकायाय दशमधुबमूरुमं ॥ २ ॥
गान्धर्वमार्गसंरुग्णं हानवर्ज्यं विश्वधर्मसमनकरुदकायाय दशमधुबमूरुमं
॥ ३ ॥ सर्वसत्त्वमहाविरुद्धं ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥
सर्वसत्त्वमहाविरुद्धं ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥
नादिनपित्वा सर्वविकल्पमाह कवनं गान्धर्वमार्गसंरुग्णं हानवर्ज्यं विश्वधर्मसमनकरुदकायाय दशमधुबमूरुमं
कनकिनगुनहानदयं माकदयस्या गत्य कियौतुवदसमनसानि रण्यसंभार
यवद ॥ ५ ॥



